राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष-25 | अंक-05 | नवम्बर, 2024 | कुल पृष्ठ-32 | मूल्य-₹ 15

वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री संजय शर्मा
अलवर जिला रैली में पौधारोपण एवं शिविरार्थियों
द्वारा तैयार कैम्प-क्राफ्ट का अवलोकन करते हुए

चित्रमय झलकियाँ

अलवर जिला प्रतियोगिता रैली का उद्घाटन करते हुए
वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री संजय शर्मा

राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य
साहसिक गतिविधियों का अवलोकन करते हुए

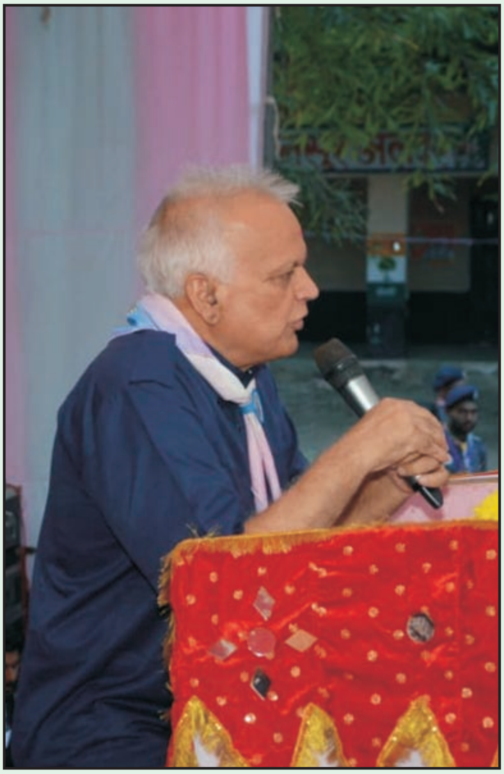

अलवर जिला प्रतियोगिता रैली के समापन समारोह में रैली संभागियों को संबोधित करते हुए राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य एवं समापन से पूर्व शिविर का अवलोकन करते हुए श्री आर्य

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 25 अंक : 05
नवम्बर, 2024

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

आशीष मोदी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.(से.नि.)
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स-स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
टीकम चंद बोहरा, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति-समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित वर्मा

सम्पादक
डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक
नीरज जैन

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
दिशाबोध	4
संपादकीय	4
राज्य मुख्य आयुक्त की सीकर विज़िट	5
राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय	6
जिला स्तरीय स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली : अलवर	7
ट्रेकिंग कम पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम	9
राष्ट्र स्तरीय स्वच्छ भारत अभियान सेवा कार्यशाला	10
रेंजर ने जीता महात्मा गांधी वेशभूषा में द्वितीय स्थान	10
नशा-मुक्ति एवं स्वच्छता रात्रि-जागरण	11
गौ-संवर्धन व वन्य जीव संरक्षण संगोष्ठी	12
पंचायती राज राज्य मंत्री का स्वागत	13
श्री लाटा हुए सम्मानित	13
सोशल मीडिया फ्रॉड बचाव कार्यशाला	13
वन प्रधान संस्कृति एवं स्काउटिंग	14
गतिविधि दर्पण	15
बच्चे हमारे आचरण से सीखते हैं, उपदेश से नहीं	23
हमारे महापुरुष : रानी लक्ष्मीबाई	24
हमारा स्वास्थ्य : तनाव : बचाव में ही उपचार	26
पर्यटन स्थल : चाँद बावड़ी	27
दक्षता पदक	29
गतिविधि पञ्चांग	30

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/- संस्थागत शुल्क:150/-	1200/-
शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।	

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

07 नवम्बर : स्काउट गाइड दिवस

जिस स्काउटिंग के दीपक की हल्की सी लौ 1907 में इंगलैण्ड में जली थी आज वह ज्योति पुँज होकर विश्व भर के 2 सौ 49 देशों व उपनिवेशों में स्काउटिंग गाइडिंग के झण्डे के नीचे 38 मिलियन से भी अधिक सदस्यों को अपने उज्ज्वल प्रकाश से ज्योतिर्मय कर रही है। आज स्काउट गाइड संगठन विश्व का सबसे बड़ा व शताब्दी प्राप्त संगठन होने का ताज अपने मस्तक पर धारण किए हुए है।

बालक—बालिकाओं के जीवन को सही दिशा एवं निर्देशन प्रदान करने में विश्व स्तर पर एक संगठन प्रयासरत एवं कार्यरत है; और वह है स्काउट गाइड संगठन। यह एक ऐसा संगठन है जो बाल्यावस्था से युवावस्था तक सही मार्ग प्रशस्त करने में अग्रणी है। बालक—बालिकाओं के जीवन को **''चरित्र, स्वास्थ्य, स्वावलम्बन एवं सेवा''** जैसे चार मजबूत स्तम्भों का आधार प्रदान करता है यह संगठन, जिस पर इनके उज्जवल भविष्य का निर्माण होता है। प्रदायक की भाँति इस संगठन का हर संभव प्रयत्न रहता है कि इसकी छत्र—छाया में तैयार हो रहे बालक—बालिकाओं का सर्वांगीण विकास हो ताकि वे समाज एवं राष्ट्र के उत्थान में सहायक सिद्ध हो सकें।

बाल्यावस्था से ही मार्गदर्शन प्रदान करने वाले इस संगठन में स्काउट गाइड दिवस 7 नवम्बर को मनाया जाना है। इस महीने को भारत स्काउट व गाइड संगठन के एकीकरण के रूप में सदा याद रखा जाता है और इस दिवस का हमारे लिए विशेष महत्व है। इस दिन पूरे राष्ट्र में फ्लेग स्टीकर की बिक्री अभियान का आगाज़ भी किया जाना है, जो स्काउट गाइड को स्वावलम्बन के प्रति जागृत करती है। यूं कहा जा सकता है कि यह दिन स्वावलम्बन व सेवा को समर्पित करना है।

नवम्बर माह का प्रथम पखवाड़ा नुक्कड़ सभाएं, प्रभात फेरियाँ, केम्प फायर, विशेष रैलियाँ और शिविर आयोजित कर उत्साहपूर्वक मनाना है। साथियों, स्काउट गाइड दिवस पर अधिकाधिक कार्यक्रमों का आयोजन कर पूर्ण निष्ठा एवं लग्न से इस संगठन के आदर्शों को आत्मसात करें।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ.....

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

इस संगठन में सेवाव्रत धारी सदस्यों के लिए किसी प्रकार की सेवानिवृत्ति का प्रावधान नहीं है। व्यक्ति ताउम्र निःस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं देने के लिए स्वतंत्र हैं। अपनी इसी विशिष्टता के कारण इस संगठन का अस्तित्व कभी मिट नहीं सकता। **'एकदा स्काउट सर्वदा स्काउट'** की भावना के साथ आज समाज के अनेक अग्रज एवं बुजुर्ग भी समाज सेवा के क्षेत्र में क्रियाशील है। एक बार जिसने वर्दी पहन ली वो सदैव के लिए इसका सदस्य कहलाता है।

स्काउटिंग के वर्दीधारी चाहे रास्ते में चल रहे हों चाहे रेल—मोटर में यात्रा कर रहे हों अथवा मेले, जुलुस के जाप्ते में सक्रिय हों, उनको लोग प्यार व सम्मान की दृष्टि से देखते हैं। किशोर युवा ही नहीं वयस्क स्काउटिंग ने भी एक विश्वसनीय संस्था के रूप में अपनी पहचान बना रखी है। जो स्काउटिंग की वर्दी धारण करते हैं उसकी चाल ढाल सामान्य लोगों से सर्वथा अलग लेकिन गर्विली व उत्साह—उमंग से परिपूर्ण होती है। यही गर्व, उत्साह व उमंग हमारे स्काउट गाइड का शिविरों में दिखलाई देता है। अपने आपको विश्वव्यापी संगठन का सदस्य होने का अहसास होना भी उन्हें कर्तव्य के प्रति जागरूक होने का आभास करवाता है।

गत माह से जिला स्तरीय स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैलियों के आयोजन का शुभारम्भ हो गया है। हाल ही में अलवर की जिला रैली जिस भव्यता के साथ सम्पन्न हुई, उसे देख कर मिनी जम्बूरी का आभास हुआ। इस अवसर पर आमजन में भी स्काउटिंग के प्रति अपनेपन का भाव देखकर लगा कि स्काउटिंग/गाइडिंग की एक आन्दोलन ही नहीं सेवा व धर्म के रूप में समाज में एक अनूठी पहचान है। स्काउटिंग सेवा पथ के पथिकों में एक सेवाबोध और सेवा के प्रति निर्लिप्त भाव से ऊपर उठकर समर्पण भाव होता है। सभी सेवा पथ के पथिकों का यदि कोई पंथ है तो वह है – स्काउटिंग।

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

राज्य मुख्य आयुक्त की सीकर विज़िट

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में स्थानीय संघ मुख्यालय फतेहपुर में आयोजित स्काउट मास्टर बेसिक कोर्स एवं कब मास्टर बेसिक कोर्स प्रशिक्षण शिविर में स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य निरीक्षण करने पहुंचे।

शिविर संभागियों को संबोधित करते हुए स्टेट चीफ कमिश्नर ने कहा कि आप आने वाले समय में स्काउट आंदोलन को ऊँचाइयों तक पहुँचाने का सकारात्मक प्रयास करें। सभी ट्रेनिंग काउंसलर एवं सहायक जिला कमिश्नर जिले के जो निष्क्रिय स्काउट गाइड ग्रुप हैं, उनको सक्रिय करें।

प्रभारी सहायक जिला आयुक्त एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी फतेहपुर नरेंद्र शर्मा ने श्री आर्य का माल्यार्पण करते हुए शाब्दिक स्वागत किया। सी.ओ. स्काउट सीकर बसंत कुमार लाटा ने जिले में आयोजित प्रशिक्षण शिविरों की जानकारी देते हुए विस्तार पूर्वक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

शिविर संचालक स्काउट सत्यवीर सिंह बागोत तथा मुकुट बिहारी गुप्ता ने शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। शिविर की ओर से साफा व शाल ओढाकर श्री आर्य का स्वागत किया गया। प्रभारी सहायक जिला आयुक्त नरेंद्र शर्मा ने विश्वास दिलाया कि फतेहपुर में आंदोलन को आगे बढाने का भरपूर प्रयास किया जायेगा। इस अवसर पर हरीशचन्द्र वर्मा सचिव स्थानीय संघ रामगढ़, अर्जुन लाल शर्मा, कैलाश चंद्र शर्मा, सुनील कुमार, महेंद्र सिंह पूनिया, ईश्वर सिंह नेहरा सहित शिविर संभागी उपस्थित रहे। प्री एएलटी स्काउटर मोतीराम महिचा ने सभी का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय

राज्य मुख्यायुक्त श्री आर्य ने विज़िट कर स्वयं देखी सभी व्यवस्थाएं

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में संचालित राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय, खूड़ी बड़ी, लक्ष्मणगढ़, सीकर की राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने 16 अक्टूबर को इस सत्र में प्रथम बार विद्यालय की विजिट की। इससे पूर्व विद्यालय के लोकार्पण समारोह में राज्य मुख्य आयुक्त महोदय का सान्निध्य प्राप्त हुआ था, जिससे विद्यालय स्टाफ एवं छात्रों को माननीय का आर्शिवाद प्राप्त हुआ था।

माननीय राज्य मुख्य आयुक्त महोदय द्वारा आवासीय विद्यालय के छात्रों से समस्त प्रकार की गतिविधियों की जानकारी ली गई। जिसमें छात्रों ने प्रातः 5.00 बजे जागरण 5.30 बजे प्रातः प्रार्थना के साथ दौड़, व्यायाम एवं सेवाकार्य, 7.30 बजे स्कूल के लिए तैयार होना तथा नाश्ता करना, प्रातः 08.00 बजे से कक्षाओं का नियमित संचालन किया जाना एवं 02.00 बजे दोपहर का भोजन तथा संध्याकालिन ऑनलाईन कक्षाओं के आयोजन की जानकारी श्री आर्य को प्रदान की। श्री आर्य ने स्काउट की व्यक्तिगत साफ–सफाई में नाखुन कटिंग, ब्रश तथा बालों की कटिंग आदि की जानकारी ली और स्वयं भी मौके पर जायजा लिया। विद्यालय द्वारा स्काउट को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं में साबून, तेल, ब्रश, पेस्ट, कपड़ें, जूते, बिस्तर, बर्तन आदि को सुव्यवस्थित रखना व उपयोग लेने का व्यक्तिशः निरीक्षण किया। अध्यापकों द्वारा अध्यापन करवाने के बाद हॉस्टल में स्वयं अध्ययन करने तथा रात्रि तक अपने अध्ययन कार्य को जारी रखने के बारे में भी श्री निरंजन आर्य को अवगत कराया गया। यह भी बताया कि विद्यालय में साप्ताहिक टैस्ट का प्रावधान भी कर रखा है जिससे बच्चों को लगातार अध्ययन की आदत बनी रहती है।

इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट सीकर श्री बसन्त कुमार लाटा, सी.ओ. गाइड सीकर सुश्री प्रियंका खिचड़ एवं सी.ओ. स्काउट राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय, खूड़ी बड़ी, लक्ष्मणगढ़ श्री गणेश प्रसाद गुर्जर द्वारा माननीय राज्य मुख्य आयुक्त महोदय को विद्यालय से संबंधित अन्य जानकारी भी प्रदान की गई।

जिला स्तरीय स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली : अलवर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, अलवर के तत्वावधान में जिला स्तरीय स्काउट/गाइड प्रतियोगिता रैली (मिनी जम्बूरी) का आयोजन 15 से 20 अक्टूबर 2024 तक खेल मैदान, सेठ चन्टूलाल धन्नालाल अग्रवाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बानसूर पर किया गया। रैली में जिले के 2189 स्काउट गाइड, यूनिट लीडर, सर्विस रोवर रेन्जर, स्टॉफ, प्रशासनिक विभाग के कर्मचारी, स्थानीय संघ कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर रैली के आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। इसके अतिरिक्त प्रतिदिन ध्वजारोहण, कैम्प फायर आदि कार्यक्रमों में लगभग 200 अतिथियों ने रैली का विजिट कर सम्भागियों को अपना मार्गदर्शन प्रदान किया।

कस्बे के सेठ चंटूलाल धन्नालाल अग्रवाल रा.उ.मा.विद्यालय बानसूर में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, अलवर जिले की जिला स्तरीय जंबूरी का भव्य शुभारंभ बुधवार 16 अक्टूबर को प्रातः 10:00 बजे वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री संजय शर्मा, विधायक श्री देवीसिंह शेखावत, नगर पालिका चेयरमैन श्रीमती नीता सज्जन मिश्रा, प्रधान श्रीमती सुमन सुभाष यादव, जिला प्रधान स्काउट श्री शशिकांत बोहरा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

इस अवसर पर मंत्री श्री संजय शर्मा ने स्काउट गाइड को सेवा भावी संस्था बताते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण एवं पर्यावरण को शुद्ध रखने की अपील की। विधायक देवीसिंह शेखावत ने बानसूर में स्काउट गाइड की अच्छी प्रगति के लिए संतोष व्यक्त करते हुए जिला जंबूरी के लिए समुचित व्यवस्थाओं के निर्देश दिए। राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन ने संपूर्ण राजस्थान में बानसूर स्थानीय संघ के प्रथम आने पर शुभकामनाएं दी तो वहीं राज्य संगठन आयुक्त पूरण सिंह शेखावत ने अलवर जिले की व्यवस्थित मिनी जंबूरी के लिए जिला संगठन को धन्यवाद दिया।

इस दौरान जिला प्रधान शशिकांत बोहरा ने अलवर जिले की जंबूरी को बानसूर में आयोजित करने के लिए राज्य संगठन का आभार व्यक्त किया। स्वागत उद्‌बोधन मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेश कुमार गुप्ता ने दिया तों वहीं स्थानीय संघ प्रधान विजय कुमार ने आभार व्यक्त किया। अतिथियों ने स्काउट कैंप का अवलोकन किया। सी.ओ. गाइड कल्पना शर्मा व सी.ओ. स्काउट राजेंद्र मीणा ने जिला स्तरीय रैली की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं से सभी अतिथियों को अवगत कराया।

इस मौके पर श्री महेश कुमार गुप्ता मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, श्री मनोज कुमार शर्मा एडीपीसी समसा, श्रीमती सीमा शर्मा मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बानसूर, नगर पालिका चेयरमैनपति श्री सज्जन मिश्रा, पंचायत समिति प्रधान सुमन सुभाष यादव आदि उपस्थित रहे।

रैली के दौरान 17 अक्टूबर को नाईट हाइक का आयोजन बानसूर से भूपसेड़ा तक किया गया जिसमें स्थानीय ग्रामवासियों द्वारा स्काउट गाइड के भोजन, आवास एवं स्वागत की व्यवस्था की गई। 18 अक्टूबर को सायं 04:00 बजे नगर भ्रमण का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय लोगों ने पुष्प वर्षा कर रैली

संभागियों का स्वागत किया। रैली को उपखण्ड अधिकारी बानसूर, जिला प्रधान, नगरपालिका चेयरमैन एवं स्थानीय संघ प्रधान द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया तथा लकवादास जी महाराज के आश्रम में रैली संभागियों के भोजन की व्यवस्था की गई।

19 अक्टूबर को दोपहर 03.00 बजे माननीय राज्य मुख्यायुक्त राजस्थान श्री निरंजन आर्य एवं जिला कलक्टर कोटपूतली–बहरोड़ श्रीमती कल्पना अग्रवाल के मुख्यातिथ्य में समापन व पारितोषिक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य ने स्काउट गाइड को बहुत पुराना संगठन बताते हुए देश में राजस्थान राज्य की स्काउट गाइड गतिविधि को अग्रणी बताया। उन्होंने बानसूर की मिनी जंबूरी में की गई व्यवस्थाओं की भूरी भूरी प्रशंसा की।

जिला कलक्टर श्रीमती कल्पना अग्रवाल ने स्काउट गाइड को राष्ट्र सेवा व जन सेवा का प्रथम सोपान बताते हुए गतिविधि के महत्व को बताया। जिला प्रधान श्री शशिकांत बोहरा ने स्वागत उद्बोधन देते हुए राज्य मुख्यायुक्त एवं जिला कलक्टर का स्वागत किया। चेयरमैन श्रीमती नीता सज्जन मिश्रा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए स्काउट गाइड रैली की भव्यता के लिए सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि बानसूर इस जंबूरी को हमेशा याद रखेगा। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्री महेश गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया। सी.ओ. गाइड कल्पना शर्मा ने मिनी जंबूरी का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। स्काउट गाइड ने विभिन्न मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मंच संचालन श्री सुरेश शर्मा ने किया।

इस अवसर पर डॉ. शशिकान्त बोहरा जिला प्रधान, विजय यादव स्थानीय संघ प्रधान, श्री महेश कुमार गुप्ता मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, उपखण्ड अधिकारी बानसूर श्री गजेन्द्र सिंह, श्री दामोदर प्रसाद शर्मा सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट उपस्थित रहे।

रैली में संयुक्त एवं विंगवार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसका परिणाम निम्न प्रकार है–

स्थानीय संघवार प्रतियोगिताएं

क्र.सं.	प्रतियोगिता का नाम	प्रथम	द्वितीय
1.	स्किल ओ रामा	लक्ष्मणगढ़	बानसूर
2.	फूड प्लाजा	थानागाजी	मुण्डावर
3.	बैण्ड प्रदर्शन	लक्ष्मणगढ़	–
4.	झांकी प्रदर्शन	थानागाजी	बानसूर
5.	कलर पार्टी	मुण्डावर	बानसूर
6.	प्रदर्शनी	बानसूर	खैरथल
7.	गेट	बानसूर	अलवर
8.	पायनियरिंग प्रोजेक्ट	लक्ष्मणगढ़	बानसूर

विंगवार प्रतियोगिताएं (स्काउट विभाग)

क्र.सं.	प्रतियोगिता का नाम	प्रथम	द्वितीय
1.	व्यायाम प्रदर्शन	राजगढ़	किशनगढ़ बास
2.	मार्च पास्ट	राजगढ़	मुण्डावर
3.	कैम्प फायर	मुण्डावर	लक्ष्मणगढ़
4.	अनुमान लगाना	लक्ष्मणगढ़	थानागाजी
5.	प्राथमिक सहायता	लक्ष्मणगढ़	कठूमर
6.	टैन्ट पिचिंग	लक्ष्मणगढ़	राजगढ़
7.	पैट्रोल इन कौंसिल	राजगढ़	थानागाजी
8.	पैट्रोल पायनियरिंग	लक्ष्मणगढ़	बहरोड़
9.	लोकनृत्य	थानागाजी	बानसूर
10.	एथनिक शो	थानागाजी	बानसूर

विंगवार प्रतियोगिताएं (गाइड विभाग)

क्र.सं.	प्रतियोगिता का नाम	प्रथम	द्वितीय
1.	व्यायाम प्रदर्शन	थानागाजी	लक्ष्मणगढ़
2.	मार्च पास्ट	मुण्डावर	बहरोड़
3.	कैम्प फायर	थानागाजी	नीमराना
4.	अनुमान लगाना	लक्ष्मणगढ़	भिवाड़ी
5.	रंगोली	थानागाजी	मुण्डावर
6.	पैट्रोल इन कौंसिल	कठूमर	भिवाड़ी
7.	प्राथमिक सहायता	लक्ष्मणगढ़	कठूमर
8.	लोकनृत्य	नीमराना	थानागाजी
9.	पैट्रोल पायनियरिंग	खैरथल	भिवाड़ी
10.	टैन्ट पिचिंग	लक्ष्मणगढ़	कठूमर
11.	एथनिक शो	थानागाजी	बानसूर

रैली को सफल बनाने में समस्त प्रशासनिक अधिकारी, नगरपालिका, पंचायत समिति, विद्युत विभाग, जलदाय विभाग, लोक निर्माण विभाग, चिकित्सा विभाग, परिवहन विभाग, स्थानीय पदाधिकारी, भामाशाहों, स्थानीय कार्यकारिणी एवं जिला कार्यकारिणी के सदस्य, जन प्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के समस्त पदाधिकारी, स्काउट–गाइड, सर्विस रोवर–रेन्जर, ट्रेनर्स, यूनिट लीडर्स ने अपना सम्पूर्ण योगदान दिया।

ट्रेकिंग कम पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित ट्रेकिंग कम पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर पर 65 रोवर रेंजर एवं यूनिट लीडर्स के दल में राजस्थान के 16 यूनिट लीडर्स भाग लेकर सफलता पूर्वक लौटे।

राजस्थान दल का नेतृत्व राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित संस्कृत शिक्षक पूरण मल तेली अध्यापक राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय काछियाखेड़ी कपासन, चित्तौड़गढ़ ने किया। श्री तेली के साथ सत्यनारायण शर्मा वरिष्ठ अध्यापक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रेवाड़ा ने भी भाग लिया। सी.ओ. स्काउट चन्द्र शंकर श्रीवास्तव ने बताया कि राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर का ट्रेकिंग कम पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन राज्य प्रशिक्षण केन्द्र रायवाला (हरिद्वार) उत्तराखण्ड में दिनांक 20 सितम्बर 2024 से 26 सितम्बर 2024 तक किया गया।

कार्यक्रम के तहत बद्रीनाथ से गोविन्द घाट प्रथम पड़ाव रहा तथा अगले दिन सुबह से पैदल ट्रेंकिंग शुरू हुई। इस दिन 15 किलो मीटर पहाड़ों पर पैदल ट्रेक करते हुए गोविन्द धाम पर द्वितीय पड़ाव रहा। तृतीय दिवस प्रातः 6 बजे से ट्रेकिंग करते हुए प्रकृति का अवलोकन किया तथा 06 किलो मीटर पहाड़ों पर सीधी चढ़ाई कर हेमकुण्ड साहिब और लोकपाल लक्ष्मण मन्दिर पहुँच कर दर्शन किए। चूँकि यह स्थान समुद्र तल से लगभग 15500 फिट की ऊँचाई पर स्थित है अतः प्रतिदिन सायं से ही बर्फबारी होती रहती है इस कारण सायं के समय ऊपर किसी भी व्यक्ति का रुकना सम्भव नहीं है। अतः वापस 06 किलो मीटर की ट्रेक से नीचे आकर उस दिन का पड़ाव रहा। पाँचवे दिन की ट्रेकिंग पूर्णतः

पर्यावरण सजगता से जुड़े राष्ट्रीय धरोहर फूलों की घाटी में 06 किलोमीटर यात्रा कर विभिन्न प्रकार के फूलों और प्रकृति का अवलोकन किया गया। वापसी में 06 किलो मीटर गोविन्द धाम पहुँच कर पुनः 15 किलो मीटर पैदल ट्रेकिंग करते हुए नीचे लक्ष्मण गंगा किनारे गोविन्द घाट पर रात्रि विश्राम किया। इस दिन की ट्रेकिंग की सर्वाधिक दूरी लगभग 22 किलो मीटर तय कर की गई। अगले दिन प्रातः बैस केम्प स्थान रायवाला (हरिद्वार) में पहुंच कर सर्वधर्म प्रार्थना सभा एवं ध्वजावतरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

समापन समारोह में जिले के राज्य पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक पूरण मल तेली एडवांस स्काउट और स्थानीय संघ कपासन के सचिव तथा सत्यनारायण शर्मा वरिष्ठ अध्यापक रेवाड़ा को राष्ट्रीय कार्यक्रम का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जिले की इस उपलब्धि पर जिला मुख्य आयुक्त प्रमोद कुमार दशोरा, जिला आयुक्त गाइड व जिला शिक्षा अधिकारी मा.शि. श्रीमती कल्पना शर्मा, जि.शि.अधिकारी प्रा.शि. व जिला कमिश्नर कब राजेंद्र शर्मा, लीडर ट्रेनर इन्द्र लाल आमेटा, चतर सिंह राजपूत, जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट गोपाल कृष्ण शर्मा, जिला प्रशिक्षण एडल्ट गाइड शीला दशोरा, जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड शोभना शर्मा, जिला सयुंक्त सचिव सुषमा पुरोहित, वरिष्ठ स्काउटर सत्य नारायण सोमानी, लक्ष्मी लाल आचार्य, अखिलेश श्रीवास्तव, सचिव चित्तौड़गढ़ पंकज दशोरा, बड़ी सादड़ी चन्द्रकांत शर्मा, रामेश्वर लाल अहीर, गाइडर शीला दशोरा, कैलाश चन्द्र अहीर, पुष्पेंद्र जोशी, देवकी नंदन वैष्णव, रोवर लीडर हेमेंद्र सोनी, ओमप्रकाश सुखवाल, राजकुमार सुखवाल एवं अन्य स्काउटर गाइडर ने हर्ष व्यक्त किया।

राष्ट्र स्तरीय स्वच्छ भारत अभियान सेवा कार्यशाला

स्वच्छ भारत अभियान के स्वच्छता शिविर कम सेमिनार में राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र पंचमढ़ी में सीकर से 7 रोवर रेंजर ने भाग लिया। भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्र स्तरीय स्वच्छ भारत अभियान सेवा कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें शिविर संचालक अरुण चन्द्र व सहायक संचालक बाबूलाल कुमावत के निर्देशानुसार कार्य किया गया। राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र में पूरे प्रशिक्षण केंद्र पर स्वच्छता कार्य किया एवं स्वच्छता सेमिनार में भाग लिया।

वर्कशॉप में राजस्थान प्रदेश से 12 रोवर रेंजर ने भाग लिया। इसमें सीकर जिले से 7 रोवर रेंजर ने भाग लिया। जिला यूथ सचिव सीनियर रोवर मेट राम प्रसाद भास्कर (बी.आर. अंबेडकर ओपन रोवर क्रू थोई), मरुधर ओपन रोवर क्रू (सीकर) से लखन बावरिया, अनिल सेन, पिंटू कुमार सैनी, कलम ओपन रोवर क्रू (पचार) से पीतांबर लौरा व राजकीय ग्रामीण महाविद्यालय (सीकर) से रेंजर पूनम कुमारी व रीना ने भाग लिया।

इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, वार्ता परिचर्चा, राजेंद्र गिरी पर्वत, चौरागढ़ जटाशंकर, पांडव उद्यान, इंडिया का मध्य बिंदु सहित पचमढ़ी के अनेक पर्यटन स्थलों को भी देखा। संभागियों ने वर्कशॉप में प्रदर्शित संयुक्त प्रदर्शनी भी देखी। कार्यक्रम में सफलतापूर्वक भाग लेने के लिए बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट सीकर ने सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी।

रेंजर ने जीता महात्मा गांधी वेशभूषा में द्वितीय स्थान

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में 2 अक्टूबर को गांधी जयन्ती के अवसर पर महात्मा गांधी जी के समाधि स्थल राजघाट पर राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम में राजस्थान से 12 गाइड, 6 स्काउट व 6 रेंजर ने भाग लिया। सी.ओ. गाइड सीकर सुश्री प्रियंका ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में सीकर के श्री कल्याण राजकीय कन्या महाविद्यालय की रेंजर स्नेहा ने महात्मा गांधी वेशभूषा में द्वितीय स्थान प्राप्त कर ट्रॉफी राजस्थान के नाम की।

नशा-मुक्ति एवं स्वच्छता रात्रि-जागरण

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, श्रीगंगानगर में सूरतगढ़ बी.एड कॉलेज में 7 दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया हैं जिसमे राजस्थान के अनेक जिलों से संभागियों ने भाग लिया।

शिविर के दौरान नवाचार के रूप में स्वच्छता एवम नशा मुक्ति जागरूकता पर लघु नाटक का आयोजन हुआ, जिसमें ऑपरेशन सीमा संकल्प सहप्रभारी सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग की ओर से विक्रम ज्याणी ने संबोधित करते हुए उपस्थित स्काउट गाइड को नशा मुक्त समाज एवं स्वच्छता की आवश्यकता के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आज का दिन ही हमने स्वछता के लिए क्यों चुना है। हर दिन जब हम इसके बारे में काम नहीं करेंगे तब तक हम स्वच्छ और स्वस्थ नहीं हो पाएंगे। एक तरफ चारों तरफ प्लास्टिक के ढेर और गंदगी ने पांव पसार रखे हैं वहीं दूसरी तरफ हमारे युवाओं को नशे की लत ने मारना शुरू कर दिया है। हमें मिलकर जन आंदोलन के रूप में इन कार्यों को करना होगा तभी हम सफल हो पाएंगे। इसके लिए श्रीगंगानगर के अंदर जिला स्तर पर जिला प्रशासन व जिला पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में अभियान ऑपरेशन सीमा संकल्प 'ए प्रॉमिस फॉर ड्रग्स फ्री लाइफ' के अन्तर्गत जिला कलक्टर डॉ. मंजू चौधरी एवं जिला पुलिस अधीक्षक श्री गौरव यादव के नेतृत्व में इसे अभियान के रूप में चलाया जा रहा है। प्रत्येक युवा को इसमें सहभागिता दिखानी होगी इसके लिए रेड आर्ट थियेटर ग्रुप के द्वारा जिले के सभी स्कूल कॉलेज में निःशुल्क रंगमंच कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को जगाने का प्रयास किया जा रहा है और आज आपके बीच में है।

नाटक शुरू करते हुए नाटक में दिखाया कि हम किस प्रकार नशे के दलदल में जाते हैं और फिर एक गलत फैसला हमारी जिंदगी को बदल देता है। नशे की लत से हजारों युवक मर रहे हैं। नाटक में स्वच्छता पर दिखाया की जितना हो सके सब्जी लेते वक्त अपने साथ कपड़े का थैला लेकर जाएं। अपनी नदियों को साफ रखें और स्वच्छता को सेल्फी तक ही सीमित न करें। यह जब तक विचारों में और संस्कार में नहीं आएगी तब तक हम स्वच्छ नहीं हो पाएंगे। इसलिए जन जागरण की आवश्यकता है और आज का रात्रि जागरण इसकी एक पहल है। आओ हम इस पहल का हिस्सा बनें। समाज को नशा मुक्त व कचरा मुक्त करें।

कार्यक्रम में शिविर संचालक राजेन्द्र सिंह पंवार, सी.ओ. स्काउट इंद्राज सुथार, मोनिका यादव, अंग्रेज सिंह, रीटा गहलोत, श्योपत राम और कॉलेज स्टाफ आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने समाज को कचरा मुक्त व नशा मुक्त बनाने की शपथ ली।

गौ-संवर्धन व वन्यजीव संरक्षण संगोष्ठी

गौ माता, पशु पक्षियों के लिए अधिकारी और आमजन की सकारात्मक पहल

21 वन्यजीव प्रेमियों का सम्मान

भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, लालसोट, जिला दौसा ने शहर के होटल में वर्ल्ड एनीमल वेलफेयर डे पर गौ संवर्धन और वन्य जीवों को बचाने के उद्देश्य से संगोष्ठी आयोजित की, जिसमें वन विभाग, चिकित्सा विभाग, नगर परिषद, भारत स्काउट व गाइड सहित लालसोट विधानसभा के वन्य जीव प्रेमियों ने संगोष्ठी में भाग लिया।

कार्यक्रम में 21 वन्य जीव प्रेमियों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में नगर परिषद आयुक्त नमन शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पवन जैन, सीबीईओ और स्काउट प्रभारी कमिश्नर श्रीमती शीला मीणा, वन विभाग रेंजर श्री रामकिशन मीना, उद्योगपति श्री सुभाष भींवाल मंचस्थ रहे। सर्वप्रथम सभी का सहायक सचिव श्री गौरव गोयल, श्री महेंद्र साहू और श्रीमती ज्योति शर्मा द्वारा स्कार्फ पहनाकर अभिनंदन किया गया।

स्काउट सचिव श्री श्रीकांत शर्मा ने बताया की भारत स्काउट व गाइड के पांचवे नियम 'स्काउट पशु पक्षियों का मित्र और प्रकृति प्रेमी होता है' के तहत संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न वक्ताओं ने अपनी अपनी बात रखी। नगर परिषद आयुक्त ने कहा की लालसोट नगर पालिका गौ सेवा के हितार्थ एंबुलेंस चला रही है, उन्होंने कहा की मूक पशु पक्षियों के कल्याण के लिए आमजन का भी अच्छा सहयोग मिल रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पवन जैन ने सभी को चिकित्सा सुविधाओं के लिए आश्वस्त किया की पशु पक्षियों को भी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो रही है। कार्यक्रम में कमल जैमन ने बताया कि किस प्रकार गौशाला की व्यवस्था विभिन्न लोगों द्वारा संपादित की जा रही है। राकेश मेडीवाला ने संगोष्ठी में कहा की कई बार गौ तस्करों से मुठभेड़ हो जाती है, लेकिन साहस को छोड़ा नहीं। अनुराग सेवा संस्थान के सचिव श्याम सुंदर शर्मा ने पक्षियों के लिए परिंडा अभियान की सफलता को बताया। इसी प्रकार श्याम सोनी ने कहा की लालसोट की धरती भामाशाहों से भरी हुई है, जिसमें गौ सेवा और पशु कल्याण के लिए धन की कमी नहीं आएगी। सीबीईओ शीला मीणा ने सभी का आभार प्रकट किया और उनके द्वारा गौ सेवा और पशु कल्याण के हितार्थ किए जा रहे कार्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

कार्यक्रम में स्नेह भोज उद्योगपति श्री सुभाष भींवाल द्वारा दिया गया, उन्होंने इस अवसर पर कहा की मेरा सौभाग्य है की इन सभी निःस्वार्थ सेवाभावी गौ भक्त और जीव प्रेमियों की सेवा का अवसर प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर यूथ कमेटी अध्यक्ष हर्ष शर्मा, अभिषेक प्रजापत, मनीष जांगिड़, मयंक शर्मा उपस्थित रहे।

भारत स्काउट व गाइड, लालसोट के सचिव श्रीकांत शर्मा ने सभी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से आह्वान किया की गौ माता, पशु पक्षियों की सेवार्थ प्रशासन और सभी संस्थाओं को मिलकर कार्य करना होगा, सभी एक दूसरे के साथ बनें और बेजुबानों के कल्याण हितार्थ कार्य करें।

इनका हुआ सम्मान

पशु चिकित्सक डॉ. कमलेश कुमार जांगिड़, रेस्क्यू प्रभारी श्री कृष्ण कुमार शर्मा, वन रक्षक श्री धर्मेंद्र सिर्रा, वन रक्षक श्री अशोक कुमार मीना, गौ सेवक श्री रमेश जालवाला, गौ सेवक श्री राकेश मेडीवाला, गिरदावर श्री दीपक लखेरा, गौ सेवक श्री अक्षित जांगिड़, वरिष्ठ सहायक श्री कमल कुमार जैमन, जनता गौ रक्षा दल से पार्षद श्री बृजमोहन सैनी, श्री मोनू स्वामी, श्री जित्तेंद्र सैनी, अनुराग सेवा संस्थान से श्री श्याम सुंदर शर्मा, भामाशाह श्री श्याम सोनी, श्री त्रिलोक अग्रवाल मंडावरी, डिडवाना से श्री अश्विनी शर्मा, रालावास से श्री कन्हैया लाल मीना, श्री अनुराग ककराला, पशुधन सहायक श्री श्रीकांत बेदजी, श्री सागर जिंदल को सम्मानित किया गया।

पंचायती राज राज्य मंत्री का स्वागत

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही के तत्वावधान में श्रीमान ओटाराम जी देवासी पंचायती राज राज्य मंत्री के सिरोही आगमन पर सर्किट हाउस सिरोही में स्कार्फ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। सी.ओ स्काउट एम.आर. वर्मा के नेतृत्व में शिष्ट मण्डल ने मुलाकात की और इस अवसर पर जिला रैली के भव्य आयोजन की रूपरेखा से अवगत कराते हुए विचार विमर्श किया।

श्री वर्मा ने श्री ओटाराम देवासी को संगठन का वार्षिक प्रतिवेदन तथा मासिक पत्रिका 'स्काउट गाइड ज्योति' भेंट करते हुए उनमें प्रकाशित उनके द्वारा उद्घोषित आर्थिक सहयोग संबंधि समाचार मय फोटो दिखाए। प्रतिवेदन व मासिक पत्रिका देख राज्य मंत्री श्री देवासी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संगठन के विकास हेतु और सहयोग के लिए आश्वस्त किय।

इस अवसर पर श्रीमान गणपत सिंह देवड़ा पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी, श्रीमान भीक सिंह भाटी योगाचार्य, श्री मंसाराम सचिव स्थानीय संघ सिरोही, श्री तोलाराम, श्री रमेश योगाचार्य एवं अन्य स्काउट गाइड उपस्थित थे।

श्री लाटा हुए सम्मानित

स्वच्छ भारत अभियान योजना अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 में 'स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता' की थीम पर आयोजित गतिविधियों को सफल बनाने के लिए सीकर जिले के सी.ओ. स्काउट बसंत कुमार लाटा को जिला स्तर पर जिला कलक्टर श्री मुकुल शर्मा, सीईओ जिला परिषद सीकर श्री नरेंद्र सिंह पुरोहित द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सोशल मीडिया फ्रॉड बचाव कार्यशाला

सर्फ स्मार्ट 2.0 के तहत 'सोशल मीडिया पर हो रहे फ्रॉड से कैसे बचें' विषय पर कार्यशाला आयोजित कर विष्णु कुमार जोशी ने विस्तृत जानकारी प्रदान की।

भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, रींगस, सीकर द्वारा बावड़ी बालाजी धाम पर आयोजित स्काउट प्रशिक्षण शिविर में रींगस के प्रताप ओपन रोवर क्रू के रोवर अरूण सबल, आयुष कुमार मौर्य ने स्थानीय संघ सचिव विष्णु कुमार जोशी व क्रू रोवर लीडर सुभाष देवन्दा और सी.ओ स्काउट बसंत कुमार लाटा व जिला यूथ कमेटी के अध्यक्ष निक्की जांगिड़ के निर्देशानुसार सर्फ स्मार्ट 2.0 के तहत सोशल मीडिया पर हो रहे फ्रॉड से कैसे बचें, अपने ऐप की सुरक्षा कैसे करें, पासवर्ड को 2 वेरिफिकेशन कैसे करें, अगर हमारे साथ फ्रॉड हो गया तो क्या करें? और पासवर्ड को प्रोटेक्ट कैसे करें इत्यादि बातों की विस्तार से जानकारी दी और सभी संभागियों को जागरूक किया। इस अवसर पर घासीराम सैनी, राजेंद्र मौर्य, बीरबल वर्मा, शंकर लाल रेगर, कृष्ण कुमार यादव, संदीप कुमार, स्वाति शर्मा, ज्योति राजावत, कोमल शर्मा, पूजा कुमावत आदि शामिल थे।

वन प्रधान संस्कृति एवं स्काउटिंग

मानव शरीर की संरचना पाँच तत्वों से मिलकर हुई है। जिस प्रकार शरीर के पाँच तत्वों का सन्तुलन बिगड़ता है तो शरीर का सन्तुलन भी बिगड़ जाता है, उसी प्रकार पर्यावरण असंतुलन राष्ट्र के विकास में बहुत बड़ा बाधक तत्व है। यदि पर्यावरण का सन्तुलन बिगड़ जाता है तो न केवल राष्ट्र का बल्कि विश्व का सन्तुलन भी बिगड़ सकता है। कारखानों से निकलता धुआं, फैक्ट्रियों से निकलते प्रदूषित पानी से पर्यावरण असन्तुलित होता जा रहा है। वृक्षों की अवैध कटाई होती जा रही है, कारखानों फैक्ट्रियों में हजारों क्विंटल लकड़ी जल रही है, जंगल साफ होते जा रहे हैं। अब युवाओं को जागरूक हो इन स्वार्थी तत्वों के खिलाफ जेहाद छेड़नी होगी तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम के सफल बनाने में समर्पित भावना से कार्य करना होगा। वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण सन्तुलन में बल्कि देश के आर्थिक उत्थान में भी वरदान सिद्ध हो सकता है। प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति प्रकृति में पूरा विश्वास रखती रही है। ऋषि मुनियों, ज्ञानियों ने प्रकृति की साधना कर ज्ञान का उजाला प्राप्त किया है एवं फलस्वरूप ज्ञान, विज्ञान व प्रज्ञान के भण्डार वेदों की रचना प्रकृति की गोद में ही की गई।

हमारी संस्कृति वन प्रधान होने से ही अब तक हम प्रदुषण से बचते रहे हैं। तुलसी, आंवला, पीपल, बड़, कदम्ब व कल्पवृक्ष आदि वृक्षों की सेवा पूजा और उनके प्रति आध्यात्मिक दृष्टिकोण अपनाना हमारी संस्कृति के अंग रहे हैं। हरे वृक्षों को काटना पाप माना जाता रहा है। नीमड़ा गोत्र के गिरासिया आदिवासी नीम तथा पीपल गोत्र के गिरासिया आदिवासी पीपल पर अपनी कुल्हाड़ी नहीं चलाते क्योंकि वे उसे अपना वंश वृक्ष मानते व पूजते हैं।

वायु, जल, भूमि, पेड़, पौधे, वनस्पति, जीव–जन्तु भी पर्यावरण के अटूट एवं महत्वपूर्ण घटक है। प्रकृति से यह सभी हमें विरासत में निरापद रूप में मिले हैं और इनका वितरण भी सामान रूप से प्रकृति प्रदत्त ही है। पर्यावरण के बिना प्राणी मात्र के जीवन की कल्पना संभव नहीं है।

पाश्चात्य देशों में भी भारत की आरण्यक व प्रकृति प्रधान संस्कृति की मान्यता को महत्व दिया जाता है एवं प्रदूषण निवारण हेतु प्रकृति को शुद्ध रखना लाभप्रद माना है। वन हमारी संस्कृति के अभिन्न अंग रहे हैं। वनों का महत्व चाहे वह सांस्कृतिक, धार्मिक, विश्वास, उपयोगिता अथवा पर्यावरण दृष्टि से हो, सदैव ही विशिष्ट रहा है। अतः हमारी वन प्रधान संस्कृति के पुनः स्थापन हेतु पर्यावरण संरक्षण के प्रति चेतना उत्पन्न करने की आवश्यकता है। यदि यह चेतना समय रहते नहीं हो सकी तो मानव जीवन खतरे में हैं।

प्रदूषण आज मानव के लिए समस्या के रूप में उभरकर आया है। प्रकृति का सन्तुलन बिगड़ने के कारण हमें बड़ी चिन्ता हो रही है इससे मानव जीवन भी लड़खड़ा गया है। पानी, वायु, भूमि, पेड़–पौधे आदि की कमी एवं इनके फैले पौधों के कटने के कारण जनजीवन त्रस्त हो रहा है। पेड़–पौधें के काटने के कारण वायु, पर्यावरण एवं पानी आदि प्रदूषित है। अतः समय रहते हमें सम्भल जाना है। हरे पेड़ काटने पर जेल की सजा का प्रावधान है। फैक्ट्रियों द्वारा भी प्रदूषण फैलाने पर जुर्माना व जेल का प्रावधान है। पर्यावरण संरक्षण हेतु भारत सरकार के नियम 1986 में पर्याप्त प्रावधान है। मगर हमें स्वयं को प्रकृति को संवार कर रखना और इस प्रसंग में हमारे भले बुरे को पहचानना व सोचना है। आप गांव में जावें तो पर्यावरण की बातों के बारे में अपने भाईयों को भी बतावें ताकि इस चेतना से प्रकृति का विनाश होने बचेगा अन्यथा हमारी सुविधाओं का नाश हो जायेगा। हम प्रदूषण से बच जायें इसी में जनकल्याण है।

इसी प्रकार के एक अन्य प्रावधान किसी भी प्रकार के न्यू सेन्स जिसमें गन्दगी, बदबू आदि फैलाना भी है, के लिए भारतीय दंड संहिता (आई.पी.सी.) में भी पर्याप्त प्रावधान है। लेकिन केवल कानून से यह सब नहीं रूकने वाला है। लेकिन चेतना व पर्यावरण के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण के निर्माण की बेहद जरूरी है।

स्काउट गाइड व उनके वयस्क लीडर्स को मैं बधाई दूंगा कि आप सभी अधिक से अधिक सामाजिक चेतना के विकास कार्यो से जुड़े हैं। आगे भी आप ऐसा ही कार्य करते रहेंगे। आपका यह कार्य मानव कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान है जो आज की महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

हमारे पूर्वजों ने मानव जीवन के जटिल पहलुओं को वनों की सुरम्य एंव एकांत वनस्थलियों में ही लिखकर श्लोकों व मंत्रों के माध्यम से जन साधारण तक पहुंचाया है। सदियों पूर्व वनों का बाहुल्य था किन्तु कालान्तर में वनों का ह्रास हुआ है। वनों के उपकार को पुनः जन–जन के हृदय में अंकुरित करने के लिए चेतना पैदा करने की आवश्यकता है। यद्यपि जल प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम 1947 तथा 1975 राजस्थान में प्रभावी है। फिर भी इस सम्बन्ध में व्यक्तिगत सोच–समझ की आवश्यकता है। क्योंकि जल ही जीवन है और बिना शुद्ध जल के जीवन का जीना कठिन है।

हम आपको आह्वान करते हैं कि आप पर्यावरण सुधार अर्थात प्रदूषण निवारण हेतु अपने को जन हिताय समर्पित कर दें।

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित शिविरों, गतिविधियों इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

अजमेर संभाग

- भारत स्काउट व गाइड, ब्यावर जिले के स्काउटर्स प्रतिनिधियों ने 14 अक्टूबर को सहायक स्टेट कमिश्नर विमल चौहान के नेतृत्व में जिला कलक्टर डॉ. महेन्द्र खड़गावत से भेंट की। दल के सदस्यों ने जिला कलक्टर डॉ. खड़गावत का बुके भेंट कर एवं स्कार्फ पहनाकर अभिनंदन किया। डॉ.खड़गावत ने स्काउट दल से चर्चा के दौरान स्वयं पूछा कि स्काउटिंग के

लिए भू आंवटन हो गया या नहीं। जिस पर सहायक स्टेट कमिश्नर श्री चौहान ने उन्हें अवगत करवाया कि पूर्व में मेडिया माताजी की डूंगरी के निकट इस बाबत प्रस्ताव जिला प्रशासन को आवंटन हेतू दिया जा चुका है, लेकिन फिलहाल आवंटन की कार्यवाही नहीं हुई है। जिला कलक्टर डॉ.खडगावत ने आश्वासन दिया कि इस पर कार्यवाही करेंगे। स्काउट दल में मसूडा के सचिव मोहन सिंह रावत, जवाजा सचिव सुरेश फुलवारी, वयोवृद्ध 80 वर्षीय रामचन्द्र शर्मा, ब्यावर संघ के रतन सिंह, महात्मा गांधी विद्यालय जवाजा के प्राचार्य एवं सहायक जिला कमिश्नर ताराचन्द जांगिड़, जेतारण से महेन्द्र कुमार, मनीष जनीगल, मुरली जाटव आदि मौजूद रहे। श्री चौहान के अनुसार भूमि आवंटन हेतु संस्था द्वारा लम्बे समय से प्रयास किया जा रहा है, लेकिन जिला कलक्टर डॉ.खड़गावत से मुलाकात के बाद सभी को उनसे उम्मीद की किरण नजर आई है। दल ने शहर सहित जिले में हो रहे कार्यों की मुक्तकंठ से प्रशंसा भी की।

भरतपुर संभाग

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भरतपुर एवं जिला प्रशासन भरतपुर के संयुक्त तत्वावधान में 02 अक्टूबर 2024 को गांधी पार्क भरतपुर में गांधी जयंती के अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कलक्टर भरतपुर श्री अमित यादव रहे। इस अवसर पर देवेन्द्र कुमार मीना सी.ओ स्काउट भरतपुर,

सीमा रिजवी सी.ओ गाइड भरतपुर, यादराम सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट), सुनीता सहायक लीडर ट्रेनर (गाइड), भानू प्रताप सिंह सचिव स्थानीय संघ भरतपुर, पूरण चन्द कोषाध्यक्ष स्थानीय संघ भरतपुर, भगत सिंह गुलशन सचिव स्थानीय संघ कांमा, स्काउटर मनीष जैन, सुलेमान खान, गाइडर गुडिया रानी, मिथलेश कुमारी एवं स्काउट गाइड व रोवर्स रेंजर्स तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थिति रहे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भरतपुर के तत्वावधान में जिला स्तरीय कब व स्काउट यूनिट लीडर बेसिक कोर्स का आयोजन मण्डल मुख्यालय रेलवे स्टेशन के सामने भरतपुर पर आयोजित किया गया। शिविर के दूसरे दिन संयुक्त निदेशक, स्कुल शिक्षा भरतपुर श्री विनोद कुमार धवन

द्वारा शिविर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संभागियों को अपने उद्‌बोधन में कहा कि स्काउटिंग गाइडिंग जीवन जीने की कला है एवं स्काउट गाइड की समस्त गतिविधियों से बालक बालिकाओं का सर्वांगीण विकास होता है। प्रशिक्षण में भाग ले रहे संभागियों को अपने अपने विद्यालय को भारत स्काउट व गाइड में आवश्यक रूप से पंजीकृत करवाकर स्काउटिंग गाइडिंग गतिविधि चलाने के निर्देश प्रदान किये। जिला शिक्षा अधिकारी (प्रा.शि.) भरतपुर श्री आर.डी. बंसल ने स्काउटिंग गाइडिंग प्रवृत्ति को पढाई से

साथ–साथ अनिवार्य बताया। शिविर संचालक लीडर ट्रेनर (स्काउट) बलराज सिंह ने बताया कि इस सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में 66 संभागी भाग ले रहे हैं। जिनको प्राथमिक चिकित्सा, पायनियरिंग, अनुमान लगाना, स्काउटिंग गाइडिंग का इतिहास आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इस अवसर पर सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) मण्डल मुख्यालय, भरतपुर श्रीमती नीता शर्मा, सी.ओ गाइड सीमा रिजवी, सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट) द्वारिका प्रसाद शर्मा, सहायक लीडर ट्रेनर (कब) मुकुट बिहारी गुप्ता, स्काउटर मुरारीलाल शर्मा, पूरण सिंह डागुर, सौरभ शर्मा, पूरण चन्द सैन व राजेश कुमार गौड आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सी.ओ स्काउट देवेन्द्र कुमार मीना ने सभी का आभार प्रकट किया।

- जिला सवाई माधोपुर में 2 अक्तूबर गाँधी जयंती के उपलक्ष्य पर गुलाब बाग में प्रार्थना सभा व स्वच्छता अभियान का कार्यक्रम

किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री किरोड़ी लाल मीणा, जिला कलक्टर शुभम चौधरी, एस.पी. ममता गुप्ता व अन्य पदाधिकारी गण और सभी स्काउटर गाइडर उपस्थित रहे।

बीकानेर संभाग

- जिला प्रशासन बीकानेर एवं राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, मंडल मुख्यालय, बीकानेर के तत्वावधान में 2 अक्टूबर 2024 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती पर गांधी पार्क बीकानेर में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें सभी धर्मो की प्रार्थनाएं प्रस्तुत कर सर्वधर्म सदभाव का संदेश दिया गया। इस अवसर पर जिला कलक्टर श्रीमती

नम्रता वृष्णि ने स्काउट गाइड एवं रोवर रेंजर को घर–घर शांति एवं सदभाव का संदेश पहुंचाने हेतु प्रेरित किया।

- भारत स्काउट व गाइड, मंडल मुख्यालय, बीकानेर के तत्वावधान में गोधुमा फूड्स बीकानेर के सहयोग एवं राजकीय डूंगर महाविद्यालय रोवर क्रू बीकानेर के समन्वय से मंडल मुख्यालय, बीकानेर परिसर में 2 अक्टूबर 2024 को सहा.राज्य संगठन आयुक्त श्री रामजस लिखाला के मार्गदर्शन एवं श्री जसवंत सिंह राजपुरोहित सी.ओ. स्काउट के नेतृत्व में स्वच्छता विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया

गया, जिसमें स्काउट गाइड एवं रोवर रेंजर ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के आयोजन में सीनियर रोवर मेट रब्बान कोहरी एवं स्काउट एम.अरमान का विशेष सहयोग रहा। रोवर मेट स्वतंत्र बिश्नोई एवं सीनियर रोवर मेट इंद्रजीत सिंह ने प्रतियोगिता आयोजन में सहयोग दिया।

- जिला झुंझुनू में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन जिला कलक्टर श्री रामावतार मीणा के मुख्य आतिथ्य में गांधीपार्क में किया गया। इस अवसर पर प्रार्थना सभा के पश्चात जिला कलक्टर श्री रामावतार मीणा ने सभी को स्वच्छता ही सेवा की शपथ दिलवाई। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर श्री अजय कुमार आर्य, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद श्री कैलाश चंद शर्मा, उपखंड अधिकारी श्री हवाई सिंह यादव, उपनिदेशक सामाजिक न्याय कल्याण अधिकारिता विभाग डॉ. पवन पूनिया, सभापति नगर परिषद श्रीमती नगमा जी बानो उपस्थित रहे।

जयपुर संभाग

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बड़ा तालाब, सांवली रोड, सीकर पर विश्व वृद्धजन दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों के साथ–साथ 70 वर्ष से अधिक आयु के सीनियर सिटीजन का सम्मान किया गया। इस अवसर पर बसंत कुमार लाटा, सी.ओ. स्काउट सीकर, प्रियंका कुमारी, सी.ओ. गाइड सीकर, ओमप्रकाश रेगर, स्काउट मास्टर एवं स्काउट, रेंजर्स ने गुमान सिंह रिटायर्ड व्याख्याता (आयु 83 वर्ष), हरिराम पुरोहित रिटायर्ड निजी सहायक (आयु 80 वर्ष), गौरी शंकर बिदावत व्यवसायी (आयु 74 वर्ष), मांगीलाल चावला सीनियर वरिष्ठ प्रबंधक रिटायर्ड (आयु 70 वर्ष) को प्रतीक चिन्ह अन्य उपयोगी वस्तुएं प्रदान कर सम्मानित किया। स्काउट गाइड सदस्यों ने उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। सभी सम्मानित वृद्धजनों ने आजादी के पहले एवं आजादी के बाद के अपने–अपने अनुभव सुनाए। कार्यक्रम के दौरान बी.आर. अंबेडकर राजकीय छात्रावास के स्काउट हेमंत, अनिल, गौरव, मीना, सिद्धार्थ मीणा, गोलू मीणा, आदित्य वैष्णव, श्री कल्याण राजकीय कन्या महाविद्यालय सीकर की रेंजर कोमल कोक, स्नेहा, मोनिका गुर्जर सहित अनेक स्काउट गाइड सदस्य उपस्थित रहे।

- मिनी सचिवालय जिला कलेक्ट्रेट, अलवर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. आर्तिका शुक्ला जिला कलक्टर अलवर के नेतृत्व में स्काउट गाइड टीम के साथ आयोजन हुआ। भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झालावाड़ के तत्वावधान में जिला मुख्यालय

अलवर पर गांधी जयंती, शास्त्री जयंती पर सर्व धर्म प्रार्थना सभा व स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, दौसा के तत्वावधान में आयोजित 8 से 10 अक्टूबर तक के तीन दिवसीय प्रकृति अध्ययन शिविर के द्वितीय दिवस श्री रामबाबू ज्योति प्रधानाचार्य रा.उ.मा.वि. टोडा ठेकला, राजेश शर्मा सहायक कर्मचारी, सी.ओ. स्काउट दौसा प्रदीप सिंह तथा श्री अशोक कुमार गुप्ता संयुक्त निदेशक शिक्षा विभाग ने भ्रमण हेतु सभी संभागियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। संयुक्त

निदेशक ने संभागियों को भ्रमण स्थलों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस दौरान रोवर लीडर श्री विकास कुमार सैनी, स्काउट मास्टर योगेश कुमार गोठवाल, रोवर लीडर श्री नितेश कुमार मीना आदि उपस्थित रहे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के निर्देशानुसार जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान सीकर के प्रांगण में गांधी एवं शास्त्री जयंती के अवसर पर सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त जिला कलक्टर रतनलाल स्वामी, हेमराज परिडवाल, विशिष्ट अतिथि इंदिरा शर्मा सहायक निदेशक लोक सेवाएं एवं बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट सीकर रहे। सर्व धर्म प्रार्थना सभा शिविर संचालक पुरुषोत्तम सोनी, किशन लाल सियाक एवं महेंद्र कुमार पारीक के नेतृत्व में की गई। अतिथियों द्वारा महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्प हार पहनाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। शिविर परिवार की ओर से अतिथियों को स्कार्फ पहना कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर स्वामी ने स्काउट एवं गाइड को स्वयं के मन एवं तन को स्वच्छ रखते

हुए समाज को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। गांधीजी एवं शास्त्री जी के जीवन दर्शन को पढ़कर उनके सिद्धांतों पर चलने का आग्रह किया। साथ ही जीवन के उच्चतम लक्ष्यों को प्राप्त कर समाज एवं राष्ट्र की उन्नति में सहभागिता हेतु प्रेरित किया। हेमराज परिडवाल ने सभी स्काउट गाइड को स्वयं से प्रेम करते हुए आपस में भाईचारे की भावना के साथ रहते हुए सामाजिक कुरीतियों को दूर करने हेतु प्रेरित किया। प्रार्थना

सभा में महेंद्र सिंह मील, देवीलाल, इरशाद, सरोज लॉयल, प्रेम पावड़िया सहित सैकड़ो भारत स्काउट व गाइड संगठन के सदस्य उपस्थित रहे। प्रातः गांधी जी के संदेश के अनुसार जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें परिसर की साफ सफाई की गई। नवलगढ़ रोड पर स्वच्छता रैली निकालते हुए आम नागरिकों को संदेश दिया गया।

- श्रीमती जमुना देवी पांडे राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पाटन, सीकर में 2 अक्टूबर को शास्त्री एवं गांधी जयंती मनाई गई। इस अवसर पर भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, पाटन के बालिका विद्यालय में कब बालकों द्वारा विद्यालय प्रांगण एवं खेल मैदान की सफाई की गई। गाइड

सेक्सन की बालिका कनिष्क योगी एवं रक्षा गुर्जर ने शास्त्री जी एवं गांधी जी की वेशभूषा पहनकर उनकी भूमिका अदा की। कार्यक्रम में उपस्थित सभी बालिकाओं को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य की शपथ दिलाई गई।

- सेठ नंद किशोर पटवारी महाविद्यालय नीमकाथाना, सीकर में 02 अक्टूबर 2024 को गांधी जयंती के उपलक्ष में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सभी रोवर रेंजर ने अपनी स्वैच्छा से रक्तदान किया तथा रक्तदान शिविर में अपनी सेवाएं दी। साथ ही शीर्षक स्वच्छता ही सेवा 2024 पर भी स्वच्छता का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 15 रोवर रेंजर और रोवर लीडर ने अपनी सेवाएं प्रदान की। जिसमें रोवर लीडर हेमेंद्र सिंह राठौड़, रेंजर एकता कुमावत, सोनम कुमावत, मुस्कान वर्मा, मनीषा कुमावत, प्रियांसी शेखावत और

रोवर योगेश कुमार, बबलू कुमावत, संदीप सोलंकी, प्रमोद सैनी, अमित कनवा, अजय वर्मा व पीयूष टेलर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- भारत स्काउट व गाइड, प्रशिक्षण केन्द्र, बनाथला, सीकर में डी. एल.एड ग्रुप प्रशिक्षण शिविर का सीकर सांसद श्री अमरा राम ने अवलोकन किया व प्रशिक्षणार्थियों से रुबरु हुए। संचालक दल ने सांसद महोदय का स्वागत करते हुए ज्ञापन देकर भौतिक सुविधाओं को बढाने हेतु बड़े सभा भवन की मांग की। सांसद महोदय ने अपनी ओर से शीघ्र कार्य स्वीकृत किए जाने की बात कही। राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड जिला मुख्यालय सीकर तथा स्थानीय संघ दांतारामगढ़ के तत्वावधान में स्काउट एवं गाइड प्रशिक्षण केन्द्र बनाथला पर

चल रहे सात दिवसीय डीएलएड स्काउट गाइड ग्रुप प्रशिक्षण शिविर का रामेश्वर प्रसाद हिंडाला मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी जोबनेर जयपुर ने भी निरीक्षण किया। शिविर का निरीक्षण व अवलोकन कर हिंडाला ने खुशी जताई एवं सभी संभागियों व संचालक मंडल को धन्यवाद ज्ञापित किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में विगत 25 वर्षों से दशहरा मेला सेवा शिविर इस वर्ष भी जारी रहा। बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट, महेंद्र कुमार पारीक सचिव, गुरदयाल सिंह नरूका ग्रुप लीडर मरुधर ओपन रोवर क्रू जिला मुख्यालय सीकर, मनोहर लाल स्काउट मास्टर एवं इको क्लब प्रभारी, ओम प्रकाश रेगर स्काउट मास्टर के नेतृत्व में रामलीला मैदान में दशहरा मेले पर सेवा शिविर लगाया गया। शिविर के दौरान संस्कृतिक मंडल द्वारा आयोजित झांकी

प्रदर्शन में भी सहयोग प्रदान किया गया। रावण दहन के दौरान सहयोग प्रदान किया गया, सांस्कृतिक मण्डल सीकर द्वारा आयोजित दशहरा शोभा यात्रा में साथ रहकर शोभायात्रा में सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर जल सेवा का कार्यक्रम महेंद्र सिंह बालाजी वॉटर सप्लायर एवं समाजसेवी महावीर पांडे के सहयोग से आयोजित किया। शिविर के दौरान श्री भगवान दास तोदी महाविद्यालय लक्ष्मणगढ़, कला महाविद्यालय कटराथल, डॉ. बी.आर. अंबेडकर छात्रावास सेकंड सीकर, श्री कल्याण राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सीकर, मरुधर ओपन रोवर क्रू, जिला मुख्यालय सीकर, ग्रामीण कॉलेज शिवसिंहपुरा के स्काउट एवं रोवर्स एवं रेंजर ने सेवाएं प्रदान की।

जोधपुर संभाग

- जिला प्रशासन सिरोही, शिक्षा विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा 2 अक्टूबर को गांधी व शास्त्री जयंती गांधी पार्क सिरोही में समारोह पूर्वक मनाई गई। जिसके मुख्य अतिथि श्री अर्जुन राम पुरोहित जिला प्रमुख, अध्यक्षता श्रीमती अल्पा चौधरी जिला कलक्टर, विशिष्ट अतिथि श्री महेंद्र कुमार मेवाड़ा सभापति नगर परिषद सिरोही, श्री प्रकाशचंद्र अग्रवाल मुख्य कार्यकारी अधिकारी थे। इस अवसर पर विभिन्न धर्मों की प्रार्थना की गई और श्री राजेंद्र कुमार पुरोहित उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, श्री अजय कुमार

माथुर सहायक निदेशक सीडीईओ कार्यालय, श्री जितेन्द्र सिंघी उप सभापति नगर परिषद सिरोही, श्री दिलीप कश्यप स्काउटर, गोपाल सिंह राव स्काउटर, विभिन्न विद्यालय के स्काउट गाइड रोवर रेंजर एवं छात्र छात्राएं और विभिन्न विभाग के अधिकारी गण मौजूद थे। इस कार्यक्रम का संचालन एम.आर. वर्मा सी.ओ. स्काउट सिरोही ने किया। कार्यक्रम के पश्चात स्काउट गाइड रोवर रेंजर व स्काउटर गाइडर ने गांधी पार्क व स्काउट गाइड जिला मुख्यालय पर श्रमदान किया।

- राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही में वैधनाथ कॉलोनी निवासी श्रीमति ललीता कुमावत ने कहा कि मेरा पुत्र जो कि पूर्व स्काउट रहा है, 4 वर्ष पूर्व ऐक्सीडेन्ट होने के कारण अपाहिज हो गया है और चलने

फिरने में भी असमर्थ है। उसको एक ट्राई साइकिल भेंट करवा दीजिए।

सी.ओ.स्काउट एम.आर.वर्मा ने उनकी परेशानी को देखते हुए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सिरोही के उपनिदेशक श्री राजेन्द्र कुमार पुरोहित को फोन कर कहा कि एक पूर्व स्काउट जो ऐक्सीडेन्ट होने के कारण अपाहिज हो गया है, को एक ट्राई साइकिल आपके विभाग से देने हेतु निवेदन है। इस पर श्री पुरोहित ने सहर्ष स्वीकार किया और 09 अक्टूबर 2024 को पूर्व स्काउट श्री राहुल प्रजापत को एक ट्राई साइकिल भेंट की। इस पर श्रीमति ललीता कुमावत ने स्काउट गाइड जिला मुख्यालय, सिरोही का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर श्री राजेन्द्र कुमार पुरोहित उपनिदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, सी.ओ.स्काउट एम. आर.वर्मा, श्री गणपत सिंह देवड़ा पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी सिरोही, श्री भीकसिंह भाटी योगाचार्य सिरोही एवं श्री नरेन्द्र कुमार कुमावत आदि उपस्थिति थे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, पाली पर 1 अक्टूबर को जिला परिषद का द्वितीय वार्षिक अधिवेशन सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में मुख्य अतिथि जिला कलक्टर पाली एल.एन. मंत्री, विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक पाली चूनाराम जाट और अति विशिष्ट अतिथि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी और जिला मुख्यायुक्त चंद्र प्रकाश जायसवाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता

नव निर्वाचित स्काउट गाइड संगठन के जिला अध्यक्ष महेंद्र बोहरा ने की। कार्यक्रम में जिले के 19 स्थानीय संघ के सहायक जिला कमिश्नर, सचिव, सह सचिव, संयुक्त सचिव

और स्काउटर गाइडर ने सम्मिलित होकर सत्र पर्यन्त स्काउटिंग गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया एवं आगामी सत्र में राज्य मुख्यालय जयपुर द्वारा निर्धारित लक्ष्यानुसार उपलब्धि प्राप्त करने हेतु योजना तैयार की तथा वार्षिक कार्यक्रम पर चर्चा कर विभिन्न प्रस्ताव कार्यकारणी द्वारा पारित किए। जिला कलक्टर श्री मंत्री एवं नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री बोहरा ने संबोधित किया। कार्यक्रम में सहायक स्टेट कमिश्नर गाइड नूतन बाला कपिला, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी चंद्र प्रकाश जायसवाल, संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा प्रकाश चंद्र सिंगाड़िया, जिला शिक्षा अधिकारी राहुल राजपुरोहित, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रोहट किशन सिंह राजपुरोहित, प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर बसंत परिहार, सुनीता जोनवाल, सीमा त्रिवेदी, तारा चंद जैन आदि बतौर अतिथि सम्मिलित हुए। सी.ओ. गाइड डिम्पल दवे ने बताया कि वार्षिक अधिवेशन में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान हुआ। जिला मुख्यालय बजरंग बाड़ी पाली में शिविर हेतु टेंट लगाने बाबत पक्के प्लेटफार्म निर्माण के लिए भामाशाह के रूप में सहयोग प्रदान हेतु नसीम बानो, दौलत सिंह, सीमा त्रिवेदी, पुष्पा परिहार, स्थानीय संघ गुंदोज एवं स्थानीय संघ मारवाड़ जंक्शन को सम्मानित किया गया।

कोटा संभाग

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बारां के तत्वावधान में स्काउट गाइड मिनी जंबूरी जो कि स्थानीय संघ अटरू के सान्निध्य में कॉलेज ग्राउंड अटरू में 19 से 23 नवंबर तक आयोजित की जाएगी। इसके लिए 6 अक्टूबर को जिला उप प्रधान एवं रैली संयोजक कृष्ण मुरारी दिलावर, उप जिला कलक्टर मंजूर अली दीवान एवं कोटा मंडल के सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार माथुर के मुख्य आतिथ्य में भूमि पूजन समारोह आयोजित किया गया। सी.ओ. स्काउट प्रदीप

चित्तौड़ा एवं जिला ट्रेनिंग कमिश्नर राजेंद्र कुमार शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया की रैली में लगभग 2000 स्काउट गाइड भाग लेंगे। भूमि पूजन समारोह के उपरांत रैली संयोजक कृष्ण मुरारी दिलावर की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से रैली प्रभारी अमजद युसूफी जिला कमिश्नर एडल्ट को नियुक्त किया गया। जिला संगठन आयुक्त प्रदीप चित्तौड़ा ने बताया कि इस रैली को स्थानीय संघ अटरू की मेजबानी दी गई है। राजेंद्र कुमार शर्मा जिला ट्रेनिंग कमिश्नर एवं स्थानीय संघ सचिव द्वारा सभी कमेटियों का निर्माण कर इसको सफलतापूर्वक करने के लिए दृढ़ संकल्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। बैठक में रैली प्रभारी अमजद युसूफी ने रैली की रूपरेखा प्रस्तुत की। जिला संगठन आयुक्त प्रदीप चित्तौड़ा ने रैली बजट एवं प्रतियोगिताओं की जानकारी प्रदान की तथा अंत में जिला ट्रेनिंग कमिश्नर राजेंद्र कुमार शर्मा ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झालावाड़ के तत्वावधान में 2 अक्टूबर गांधी जयंती के उपलक्ष में सर्वप्रथम प्रार्थना सभा एवं स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिला कलक्टर महोदय एवं अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक मौजूद रहे।

- जिला बूंदी में 2 अक्टूबर गांधी जयंती के उपलक्ष में सर्वप्रथम प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिला कलक्टर महोदय, विधायक बूंदी, सी.ई.ओ., अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक एवं शिक्षा अधिकारी मौजूद रहे। बाद में स्काउट गाइड द्वारा स्वच्छता का कार्यक्रम किया गया।

उदयपुर संभाग

- उदयपुर में गांधी जयंती के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, नगर निगम, राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के संयुक्त तत्वावधान में गुलाब बाग स्थित महात्मा गांधी जी की स्टेच्यू के समक्ष सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर

ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल, उप महापौर पारस सिंघवी, संयुक्त निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, सी.ओ. स्काउट सुरेंद्र कुमार पाण्डे ने गांधी जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर, कच्चे सूत की माला तथा पुष्प अर्पित किए। प्रेमशंकर सालवी स्काउटर राउप्रावि पीपरोली एवं सहयोगी सदस्यों ने सर्वधर्म प्रार्थना सभा में बापू के प्रिय भजन रघुपति राघव, वैष्णव जन, सर्वधर्म समभाव से संबंधित निर्गुण भजन आदि की प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर भारत स्काउट व गाइड के कब, बुलबुल, स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स तथा स्काउटर गाइडर उमेश पुरोहित, तरुणा शर्मा, मंजू गुर्जर, सीमा पंडित, सुनिता अग्रवाल, रोवर्स विशाल गुप्ता, दिव्यांश ब्रिजवानी, जिनिश सैन आदि ने उपस्थित रहकर सहयोग प्रदान किया। प्रार्थना सभा में स्थानीय राजकीय एवं निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों के छात्र, छात्राएं तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी, कार्मिक तथा सुबह गुलाब बाग में भ्रमण करने वाले शहरवासियों ने भी शिरकत की। अंत में ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा ने नशा मुक्ति और स्वच्छता की शपथ दिलाई।

- प्रतापगढ़ जिले के भारत स्काउट व गाइड के माध्यम से संचालित नेशनल ग्रीन कोर योजना के अन्तर्गत प्रकृति अध्ययन शिविर का आयोजन स्काउट गाइड कार्यालय नीमच नाका पर 8 से 10 अक्टूबर तक किया गया। शिविर के द्वितीय दिवस स्काउट गाइड को बरडिया नाल की वनस्पति एवं वहां के जीव–जन्तुओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। सी.ओ. गाइड रेखा शर्मा ने बताया कि मानव जीवन में वनों, वनस्पति एवं जीव–जन्तुओं के महत्व की जानकारी प्रदान करने के

उद्देश्य से बरडिया नाल अभ्यारण का भ्रमण कराया गया। शिविर के द्वितीय दिवस में बरडिया नाल अभ्यारण्य की वनस्पति एवं वहां के जीव–जन्तुओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बरडिया नाल जीव अभ्यारण्य में जंगली जानवरों के बारे में स्काउट गाइड को अवगत कराते हुए बताया कि यह पेड़ कोमल पत्तों एवं फूलों को अपने भोजन के रूप में उपयोग करते हैं। स्काउट गाइड प्राकृतिक सौन्दर्य को देखकर अभिभूत हो गये और मन ही मन प्रकृति को बचाने का संकल्प लिया। प्रकृति भ्रमण के दौरान सहायक सचिव प्रतापगढ अजित सिह चुण्डावत, स्काउटर बादल बारोलिया, स्काउटर अधिराज सिंह देवल, गाइडर ऐश्वर्या राठोर, जिला अध्यक्ष (स्काउट) गर्वित द्विवेदी, स्काउटर कृष्णपाल बैरागी, रोवर कैलाश मालवीय, रोवर अजय रैदास, रोवर आयुष सुथार, रोवर गौरव रैदास, रेंजर पुर्णिमा राजपुत, रेंजर हंसा सेन, रेंजर सरस्वती पाटीदार आदि उपस्थित थे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला चित्तौड़गढ़ के स्थानीय संघ बड़ीसादड़ी सचिव चन्द्र कान्त शर्मा ने बताया कि विद्यालयों में स्काउट गाइड गतिविधि के सक्रिय संचालन हेतु सी.ओ. स्काउट चन्द्रशंकर श्रीवास्तव ने रा.बा.उ.मा.वि. बड़ीसादड़ी, स्वामी पुरूशोत्तम आचार्य महाविद्यालय बड़ीसादड़ी, श्रीनाथ बी.एस.टी.सी. शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालय बड़ीसादड़ी, विवेकानन्द अकादमी उ.प्रा.वि. बड़ीसादड़ी, विवेकानन्द अकादमी उ.मा.वि. बड़ीसादड़ी एवं स्थानीय संघ बड़ीसादड़ी का विजिट कर विद्यालय में स्काउट गाइड गतिविधि संचालन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। इस अवसर पर स्थानीय संघ सचिव चन्द्र कान्त शर्मा, सहायक सचिव जवान

सिंह मीणा, धुलेश्वर डामोर, रोवर पवन माली, हार्दिक मीणा व रेंजर दिव्या मेनारिया उपस्थित थे। विद्यालय विजिट के दौरान सी.ओ. स्काउट श्रीवास्तव ने छात्र–छात्राओं को स्काउट आन्दोलन की जानकारी देते हुये नियम, प्रतिज्ञा व स्काउट तालियों के साथ–साथ विभिन्न स्काउट गाइड गतिविधियों की जानकारी प्रदान की।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला राजसमन्द एवं प्रशासन के तत्वावधान में 2 अक्टूबर गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती के अवसर पर विश्व अहिंसा दिवस के आयोजन में राजसमन्द के

गांधी सेवा सदन विद्यालय के 49 स्काउट एवं एस.आर.के. महाविद्यालय के रोवर रेन्जर ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला कलक्टर बाल मुकुन्द असावा एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर नरेश बुनकर उपस्थित रहे एवं गांधी सेवा सदन के विद्यालय स्टाफ व छात्र–छात्राएं एवं विद्यालय के कई गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। सर्वप्रथम गांधी जी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर सर्वधर्म प्रार्थना की गई। इसके पश्चात वरिष्ठ नागरिकों का भी सम्मान किया गया। सी.ओ. गाइड अभिलाषा मिश्रा ने बताया कि 2 अक्टूबर के अवसर पर बालकृष्ण स्टेडियम से पुरानी कलेक्ट्री तक स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई जिसमें रोवर रेन्जर ने भाग लिया। जिला कलक्टर द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रैली को रवाना किया गया। तत्पश्चात पुरानी कलेक्ट्री पर 17 सितम्बर से चल रहे स्वच्छता पखवाडे का समापन भी किया गया। सभी

स्काउट रोवर रेन्जर एवं विद्यालय के छात्र–छात्राओं को स्वच्छता के लिए शपथ ग्रहण करवाई इस अवसर पर उर्मिला पुरोहित गाइडर व बृजेश वर्मा स्काउटर भी सम्मिलित हुए।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमन्द का द्वितीय वार्षिक अधिवेशन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आमेट में स्काउट गाइड के जिला अध्यक्ष मानसिंह बारहठ की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि आमेट स्थानीय संघ की उपप्रधान महिला आनन्द कुंवर, विशिष्ट अतिथि कुम्भलगढ सी.बी.ई.ओ. कार्यालय के आर.पी. पृथ्वी सिंह झाला, राजसमन्द के उपप्रधान सुरेश, आमेट के उपप्रधान पुरूष रमण कंसारा व नरेश कंसारा रहे। ईश प्रार्थना एवं सरस्वती पूजन के साथ अधिवेशन का शुभारंभ हुआ। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया। स्वागत नृत्य में गाइड्स ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी। तत्पश्चात् सी.ओ.गाइड के द्वारा गत सत्र के वार्षिक अधिवेशन एवं गत सत्र आयोजित गतिविधियों का

लिखित प्रतिवेदन सदन के सम्मुख प्रस्तुत किया गया। सी.ओ. गाइड द्वारा ही कोषाध्यक्ष की अनुमति से गत सत्र का आय–व्यय विवरण सदन के सम्मुख प्रस्तुत किया। श्रेष्ठ कार्य करने वाले स्काउटर, गाइडर व रोवर, रेन्जर को सम्मानित किया गया। जिला संयुक्त सचिव राधेश्याम राणा ने नवगठित जिला परिषद् के सभी सदस्यों व निर्वाचित व मनोनित सदस्यों के नाम का वाचन कर सदन के सम्मुख प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गणेश राम बुनकर, रामसिंह चौहान, संगीता मीणा, प्रदीप पालीवाल, मुकेश जीनगर, सुरेश चन्द्र जोशी, मांगीलाल तेली, विजयराम कलाल, बाबूलाल रेगर, नीलू टेलर के साथ–साथ प्रत्येक ब्लॉक (स्थानीय संघ) से स्काउटर व गाइडर भी उपस्थित हूए। आभार गिरिराज डाकोत स्थानीय संघ सचिव आमेट के द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का संचालन यशवन्त कुमार नंगारची ने किया।

- द विजन एकेडमी स्कूल उदयपुर के प्रांगण में गांधी जयन्ति के अवसर पर प्राचार्या डॉ. प्रतिमा सामर, स्काउटर उमेश चंद्र पुरोहित, गाइडर श्रीमती तरूणा शर्मा, शिप्रा चतुर्वेदी द्वारा सर्व

धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। प्रार्थना सभा का संचालन स्काउट गाइड बुलबुल द्वारा किया गया।

शोकाभिव्यक्ति

मण्डल मुख्यालय,कोटा पर पदस्थापित सहा.राज्य संगठन आयुक्त श्री दिलीप कुमार माथुर के पिताजी श्री बनवारी लाल जी माथुर का देहावसान हो गया है। स्काउट गाइड परिवार हार्दिक संवेदनाओं के साथ प्रार्थना करता है कि भगवान उनकी आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को शक्ति प्रदान करें।

बच्चे हमारे आचरण से सीखते हैं, उपदेश से नहीं

आशा रानी गुप्ता,
ए.डी. 106 सी., पीतमपुरा,
दिल्ली

जब हमारे घर कोई मेहमान आता है तो हम अपने बच्चों से भी अपेक्षा करते हैं कि वे भी घर आए मेहमानों का उचित रीति से अभिवादन करें। एक बार एक महिला अपनी एक मित्र के घर गई। मेजबान मित्र ने अपनी नन्ही–सी पोती से कहा कि आंटी को नमस्ते करो। सहमी हुई सी बच्ची ने मुँह फेर लिया। उसकी दादी ने बच्ची का मुँह मेहमान की ओर घुमाते हुए बच्ची से फिर कहा कि आंटी को नमस्ते करो। बच्ची को नमस्ते नहीं करनी थी सो नहीं की। दादी ने बच्ची को डाँटते हुए कहा, ''गंदी बच्ची नमस्ते करना भी नहीं जानती, भाग यहाँ से।'' बच्ची रुआँसी–सी होकर वहाँ से चली गई। बच्ची ने घर आए हुए मेहमान का अभिवादन क्यों नहीं किया इससे पहले ये सवाल उठता है कि क्या एक छोटे बच्चे के लिए घर आए हर मेहमान का अभिवादन करना जरूरी है और वो भी जैसे हम चाहें?

बच्चे घर आए हर मेहमान का अभिवादन करें ये अच्छी बात है लेकिन ये जरूरी नहीं कि हम जिस रूप में चाहें उसी तरह से बच्चे भी आगंतुकों का सम्मान करें। हम प्रायः बच्चों को अपने ढंग से संस्कारित करने का प्रयास करते हैं। उन्हें कहते हैं कि ऐसा करो या ऐसा मत करो। सारे दिन उपदेश देते रहते हैं। बच्चा इन उपदेशों से दुखी–सा रहने लगता है। कई व्यक्ति खुद तो मेहमानों का यथोचित स्वागत अथवा अभिवादन नहीं करते, लेकिन अपने बच्चों से चाहते हैं कि वे हर आने–जाने वाले का स्वागत व अभिवादन ठीक से करें। जहाँ तक बहुत छोटे बच्चों का संबंध है उनका बड़ों की ही तरह स्वागत या अभिवादन करना बिलकुल ज़रूरी नहीं। इसका ये अर्थ नहीं है कि बच्चे आगंतुकों से मिलें ही नहीं या मिलने पर चुप रहें।

क्या बच्चे मेहमानों से मिलना–जुलना या उनका प्यार पाना व उनका अभिवादन करना नहीं चाहते? बच्चे भी सबसे मिलना–जुलना व उनका अभिवादन करना चाहते हैं लेकिन अपने तरीके से। हो सकता है बच्चा संकोच कर रहा हो अतः उसे कुछ समय देना चाहिए। संकोच के समय बच्चे से बलपूर्वक कुछ करवाना उसे जिद्दी बनाना है। बच्चों की अपनी दुनिया होती है। वे अपने ढंग से शुरुआत करना चाहते हैं। कई बार वे शब्दों से नहीं अपने कार्यों से अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना चाहते हैं। बच्चों का मेहमानों या आगंतुकों के लिए पानी या जलपान स्वयं ले जाने की जिद करना उनका अभिवादन करने का तरीक़ा ही तो है। आप मेहमानों के लिए पानी या नाश्ता वगैरा ले जाते हैं तो बच्चा भी ऐसा ही करने की कोशिश करता है। तो आप अपने बच्चों से मेहमानों का जैसा स्वागत–सत्कार करवाना चाहते हैं वैसा ही आप स्वयं कीजिए।

यदि हममें शिष्टाचार है तो हमारे बच्चे भी वही शिष्टाचार अपना लेंगे। बच्चों को अच्छे संस्कार देने के लिए माता–पिता व दादा–दादी को बच्चों से जिद करने की बजाय मेहमानों के सामने स्वयं आदर्श व्यवहार का प्रदर्शन करना चाहिए। दुनिया में ऐसी कोई किताब या पाठ्यक्रम नहीं है जो बच्चों को शिष्ट, व्यवहार–कुशल व नैतिक बना सके। दादा–दादी, माता–पिता, चाचा–ताऊ, बड़े भाई–बहन व अन्य नजदीकी रिश्तेदारों से ही बच्चा शिष्टाचार व नैतिकता ग्रहण करता है और उसे अपने जीवन में उतारता है। यदि हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे शिष्ट, व्यवहार–कुशल और नैतिक गुणों से संपन्न हों तो हमें अनिवार्यतः स्वयं में इन गुणों को विकसित करना चाहिए।

CELEBRATIONS DAYS : NOVEMBER-DECEMBER 2024

07 November	:	Scout/Guide Flag Day
14 November	:	National Children Day
26 November	:	World Environment Protection Day
02 December	:	Naional Pollution Control Day
07 December	:	Flag Day
10 December	:	World Human Rights Day
20 December	:	International Human Solidarity Day
24 December	:	National Consumer Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

हमारे महापुरुष

रानी लक्ष्मीबाई

-स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

रानी लक्ष्मीबाई मराठा शासित झाँसी राज्य की रानी और 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना थीं। बलिदानों की धरती भारत में ऐसे–ऐसे वीरों ने जन्म लिया है, जिन्होंने अपने रक्त से देश प्रेम की अमिट गाथाएं लिखीं। यहाँ की ललनाएं भी इस कार्य में कभी किसी से पीछे नहीं रहीं, उन्हीं में से एक नाम है– झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई। उन्होंने न केवल भारत की बल्कि विश्व की महिलाओं को गौरवान्वित किया। उनका जीवन स्वयं में वीरोचित गुणों से भरपूर, अमर देशभक्ति और बलिदान की एक अनुपम गाथा है। रानी लक्ष्मीबाई मराठा शासित झांसी की रानी और भारत की स्वतंत्रता संग्राम की प्रथम वनिता थीं।

जीवन परिचय

रानी लक्ष्मीबाई का जन्म 19 नवंबर, 1835 को काशी के पुण्य व पवित्र क्षेत्र असीघाट, वाराणसी में हुआ था। इनके पिता का नाम श्मोरोपंत तांबेश और माता का नाम 'भागीरथी बाई' था। इनका बचपन का नाम श्मणिकर्णिकाश था, परन्तु प्यार से मणिकर्णिका को श्मनुश पुकारा जाता था। मनु की अवस्था अभी चार–पाँच वर्ष ही थी कि उसकी माँ का देहान्त हो गया। पिता मोरोपंत तांबे एक साधारण ब्राह्मण और अंतिम पेशवा बाजीराव द्वितीय के सेवक थे। माता भागीरथी बाई सुशील, चतुर और रूपवती महिला थीं। अपनी माँ की मृत्यु हो जाने पर वह पिता के साथ बिठूर आ गई थीं। यहीं पर उन्होंने मल्लविद्या, घुड़सवारी और शस्त्रविद्याएँ सीखीं। चूँकि घर में मनु की देखभाल के लिए कोई नहीं था इसलिए उनके पिता मोरोपंत मनु को अपने साथ बाजीराव के दरबार में ले जाते थे जहाँ चंचल एवं सुन्दर मनु ने सबका मन मोह लिया था। बाजीराव मनु को प्यार से 'छबीली' बुलाते थे।

शिक्षा

पेशवा बाजीराव के बच्चों को पढ़ाने के लिए शिक्षक आते थे। मनु भी उन्हीं बच्चों के साथ पढ़ने लगी। सात साल की उम्र में ही लक्ष्मीबाई ने घुड़सवारी सीखी। साथ ही तलवार चलाने में, धनुर्विद्या में निष्णात हुई। बालकों से भी अधिक सामर्थ्य दिखाया। बचपन में लक्ष्मीबाई ने अपने पिता से कुछ पौराणिक वीरगाथाएँ सुनीं। वीरों के लक्षणों व उदात्त गुणों को उसने अपने हृदय में संजोया। इस प्रकार मनु अल्पवय में ही अस्त्र–शस्त्र चलाने में पारंगत हो गई। अस्त्र–शस्त्र चलाना एवं घुड़सवारी करना मनु के प्रिय खेल थे।

विवाह

समय बीता, मनु विवाह योग्य हो गयी। इनका विवाह सन 1842 में झाँसी के राजा गंगाधर राव निवालकर के साथ बड़े ही धूम–धाम से सम्पन्न हुआ। विवाह के बाद इनका नाम लक्ष्मीबाई रखा गया। इस प्रकार काशी की कन्या मनु झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई बन गई। 1851 में उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। किन्तु 1853 तक उनके पुत्र एवं पति दोनों का देहावसान हो गया। रानी ने अब एक दत्तक पुत्र लेकर राजकाज देखने का निश्चय किया, किन्तु कम्पनी शासन उनका राज्य छीन लेना चाहता था। रानी ने जितने दिन भी शासन किया, वे अत्यधिक सूझबूझ के साथ प्रजा के लिए कल्याण कार्य करती रही। इसलिए वे अपनी प्रजा की स्नेहभाजन बन गई थीं। रानी बनकर लक्ष्मीबाई को पर्दे में रहना पड़ता था। स्वच्छन्द विचारों वाली रानी को यह रास नहीं आया। उन्होंने क़िले के अन्दर ही एक व्यायामशाला बनवाई और शस्त्रादि चलाने तथा घुड़सवारी हेतु आवश्यक प्रबन्ध किए। उन्होंने स्त्रियों की एक सेना भी तैयार की। राजा गंगाधर राव अपनी पत्नी की योग्यता से बहुत प्रसन्न थे।

विपत्तियाँ

सन 1851 में रानी लक्ष्मीबाई ने एक पुत्र को जन्म दिया। सम्पूर्ण झाँसी आनन्दित हो उठा एवं उत्सव मनाया गया किन्तु यह आनन्द अल्पकालिक ही था। कुछ ही महीने बाद बालक गंभीर रूप से बीमार हुआ और चार महीने की आयु में ही उसकी मृत्यु हो गयी। झाँसी शोक के सागर में डूब गई। सन 1853 में राजा गंगाधर राव का स्वास्थ्य बहुत बिगड़ने पर दरबारियों ने उन्हें पुत्र गोद लेने की सलाह दी। अपने ही परिवार के पांच वर्ष के एक बालक को उन्होंने गोद लिया और उसे अपना दत्तक पुत्र बनाया। इस बालक का नाम दामोदर राव रखा गया। पुत्र गोद लेने के बाद राजा गंगाधर राव की दूसरे ही दिन 21 नवंबर 1853 में मृत्यु हो गयी।

दयालु स्वभाव

रानी अत्यन्त दयालु स्वभाव थीं। एक दिन जब कुलदेवी

महालक्ष्मी की पूजा करके लौट रही थीं, कुछ निर्धन लोगों ने उन्हें घेर लिया। उन्हें देखकर महारानी का हृदय द्रवित हो उठा। उन्होंने नगर में घोषणा करवा दी कि एक निश्चित दिन ग़रीबों में वस्त्रादि का वितरण कराया जाए।

झाँसी का युद्ध

उस समय भारत के बड़े भू–भाग पर अंग्रेज़ों का शासन था। वे झाँसी को अपने अधीन करना चाहते थे। उन्हें यह एक उपयुक्त अवसर लगा। उन्हें लगा रानी लक्ष्मीबाई स्त्री है और हमारा प्रतिरोध नहीं करेगी। उन्होंने रानी के दत्तक–पुत्र को राज्य का उत्तराधिकारी मानने से इंकार कर दिया और रानी को पत्र लिख भेजा कि चूँकि राजा का कोई पुत्र नहीं है, इसीलिए झाँसी पर अब अंग्रेज़ों का अधिकार होगा। रानी यह सुनकर क्रोध से भर उठीं एवं घोषणा की कि मैं अपनी झाँसी नहीं दूँगी। अंग्रेज़ तिलमिला उठे। परिणाम स्वरूप अंग्रेज़ों ने झाँसी पर आक्रमण कर दिया। रानी ने भी युद्ध की पूरी तैयारी की। क़िले की प्राचीर पर तोपें रखवायीं। रानी ने अपने महल के सोने एवं चाँदी के सामान तोप के गोले बनाने के लिए दे दिये। रानी के क़िले की प्राचीर पर जो तोपें थीं उनमें कड़क बिजली, भवानी शंकर, घनगर्जन एवं नालदार तोपें प्रमुख थीं। रानी के कुशल एवं विश्वसनीय तोपची थे गौस खाँ तथा खुदा बक्श। रानी ने क़िले की मज़बूत क़िलाबन्दी की। रानी के कौशल को देखकर अंग्रेज़ सेनापति सर ह्यूरोज भी चकित रह गया। अंग्रेज़ों ने क़िले को घेर कर चारों ओर से आक्रमण किया।

अंग्रेज़ों की कूटनीति

अंग्रेज़ आठ दिनों तक क़िले पर गोले बरसाते रहे परन्तु क़िला न जीत सके। रानी एवं उनकी प्रजा ने प्रतिज्ञा कर ली थी कि अन्तिम सांस तक क़िले की रक्षा करेंगे। अंग्रेज़ सेनापति ह्यूराज ने अनुभव किया कि सैन्य–बल से क़िला जीतना सम्भव नहीं है। अतरू उसने कूटनीति का प्रयोग किया और झाँसी के ही एक विश्वासघाती सरदार दूल्हा सिंह को मिला लिया जिसने क़िले का दक्षिणी द्वार खोल दिया। फिरंगी सेना क़िले में घुस गई और लूटपाट तथा हिंसा का पैशाचिक दृश्य उपस्थित कर दिया। घोड़े पर सवार, दाहिने हाथ में नंगी तलवार लिए, पीठ पर पुत्र को बाँधे हुए रानी ने रणचण्डी का रूप धारण कर लिया और शत्रु दल संहार करने लगीं। झाँसी के वीर सैनिक भी शत्रुओं पर टूट पड़े। जय भवानी और हर–हर महादेव के उद्घोष से रणभूमि गूँज उठी। किन्तु झाँसी की सेना अंग्रेज़ों की तुलना में छोटी थी। रानी अंग्रेज़ों से घिर गयीं। कुछ विश्वासपात्रों की सलाह पर रानी कालपी की ओर बढ़ चलीं। दुर्भाग्य से एक गोली रानी के पैर में लगी और उनकी गति कुछ धीमी हुई। अंग्रेज़ सैनिक उनके समीप आ गए।

स्वयंसेवक सेना का गठन

झाँसी 1857 के विद्रोह का एक प्रमुख केन्द्र बन गया जहाँ हिंसा भड़क उठी। रानी लक्ष्मीबाई ने झाँसी की सुरक्षा को सुदृढ़ करना शुरू कर दिया और एक स्वयंसेवक सेना का गठन प्रारम्भ किया। इस सेना में महिलाओं की भर्ती भी की गयी और उन्हें युद्ध प्रशिक्षण भी दिया गया। साधारण जनता ने भी इस विद्रोह में सहयोग दिया। 1857 के सितंबर तथा अक्टूबर माह में पड़ोसी राज्य ओरछा तथा दतिया के राजाओं ने झाँसी पर आक्रमण कर दिया। रानी ने सफलतापूर्वक इसे विफल कर दिया। 1858 के जनवरी माह में ब्रितानी सेना ने झाँसी की ओर बढ़ना शुरू कर दिया और मार्च के महीने में शहर को घेर लिया। दो हफ़्तों की लड़ाई के बाद ब्रितानी सेना ने शहर पर क़ब्ज़ा कर लिया। परन्तु रानी, दामोदर राव के साथ अंग्रेज़ो से बच कर भागने में सफल हो गयी। रानी झाँसी से भाग कर कालपी पहुँची और तात्या टोपे से मिली।

अंग्रेज़ों का ज़ब्ती सिद्धांत

झाँसी की रानी, जो इस बात से बहुत कुपित थी कि 1853 ई. में उसके पति के मरने पर लॉर्ड डलहौज़ी ने ज़ब्ती का सिद्धांत लागू करके उसका राज्य हड़प लिया। अतएव सिपाही विद्रोह शुरू होने पर वह विद्रोहियों से मिल गई और सर ह्यूरोज के नेतृत्व में अंग्रेज़ी फ़ौज का डटकर वीरतापूर्वक मुक़ाबला किया। जब अंग्रेज़ी फ़ौज क़िले में घुस गई, लक्ष्मीबाई क़िला छोड़कर कालपी चली गई और वहाँ से युद्ध जारी रखा। जब कालपी छिन गई तो रानी लक्ष्मीबाई ने तात्या टोपे के सहयोग से शिन्दे की राजधानी ग्वालियर पर हमला बोला, जो अपनी फ़ौज के साथ कम्पनी का वफ़ादार बना हुआ था। लक्ष्मीबाई के हमला करने पर वह अपने प्राणों की रक्षा के लिए आगरा भागा और वहाँ अंग्रेज़ों की शरण ली। लक्ष्मीबाई की वीरता देखकर शिन्दे की फ़ौज विद्रोहियों से मिल गई। रानी लक्ष्मीबाई तथा उसके सहयोगियों ने नाना साहब को पेशवा घोषित कर दिया और महाराष्ट्र की ओर धावा मारने का मनसूबा बाँधा, ताकि मराठों में भी विद्रोहाग्नि फैल जाए। इस संकटपूर्ण घड़ी में सर ह्यूरोज तथा उसकी फ़ौज ने रानी लक्ष्मीबाई को और अधिक सफलताएँ प्राप्त करने से रोकने के लिए जी तोड़ कोशिश की। उसने ग्वालियर फिर से लिया और मुरार तथा कोटा की दो लड़ाइयों में रानी की सेना को पराजित किया।

मृत्यु

रानी को असहनीय वेदना हो रही थी परन्तु मुखमण्डल दिव्य कान्त से चमक रहा था। उन्होंने एक बार अपने पुत्र को देखा और फिर वे तेजस्वी नेत्र सदा के लिए बन्द हो गए। वह 17 जून, 1858 का दिन था, जब क्रान्ति की यह ज्योति अमर हो गयी। उसी कुटिया में उनकी चिता लगायी गई जिसे उनके पुत्र दामोदर राव ने मुखाग्नि दी। रानी का पार्थिव शरीर पंचमहाभूतों में विलीन हो गया और वे सदा के लिए अमर हो गयीं। इनकी मृत्यु ग्वालियर में हुई थी। विद्रोही सिपाहियों के सैनिक नेताओं में रानी सबसे श्रेष्ठ और बहादुर थी और उसकी मृत्यु से मध्य भारत में विद्रोह की रीढ़ टूट गई।

सिंहासन हिल उठे राजवंशों ने भृकुटी तानी थी,
बूढ़े भारत में आई फिर से नयी जवानी थी,
गुमी हुई आज़ादी की कीमत सबने पहचानी थी,
दूर फिरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी।
चमक उठी सन सत्तावन में, वह तलवार पुरानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

–सुभद्रा कुमारी चौहान

हमारा स्वास्थ्य

तनाव : बचाव में ही उपचार

–वेबसाइट से साभार

तनाव और परेशानी आज हमारे जीवन का एक आम हिस्सा बन कर रह गया है। कभी–कभी इन तनाव भरी स्थितियों का और अपनी ज़िम्मेदारियों का प्रबंधन करना बहुत मुश्किल हो जाता है। हर रोज़ के काम और तनाव की स्थिति के बाद अगर हम कुछ समय अपने आप को दें तो शायद हमें तनाव से बचने के कुछ रास्ते मिल जायें। अगर आप रोजमर्रा के तनाव और परेशानियों से परेशान हो जाते हैं तो इसका अर्थ है कि आपको तनाव कम करने की ज़रूरत है।

- ✓ तनाव अक्सर कई बीमारियों की जड़ होता है।
- ✓ अनावश्यक चिंता करना इसका मुख्य कारण है।
- ✓ दूसरों से मुकाबला करने की आदत को छोड़ दे।
- ✓ खुद में खुश रहें, ध्यान और योग लाभदायक।

तनाव यानि स्ट्रेस से कई बीमारियाँ होती हैं। तनाव से मधुमेह रोगियों की स्थिति बिगड़ती है क्योंकि तनाव शुगर लेवल को बढाता है; तनाव से ब्लड प्रेशर बढ़ता है, स्ट्रेस एटेक आता है; सर दर्द होता है एवं अन्य कई गंभीर बीमारियाँ होती हैं। तनावग्रस्त व्यक्ति का मन भी किसी काम को करने में पूरी तरह नहीं लगता एवं वह अपनी क्षमता के अनुसार किसी कार्य को पूरा नहीं कर पाता। अतः तनाव से बचना चाहिए। यहाँ हम तनाव से बचने के कुछ उपाय बता रहे हैं।

अपनी क्षमता से ज्यादा काम न लें

आप अपनी क्षमता के अनुसार हीं काम किया करें। दूसरों से मुकाबला करने से बेवजह आपका तनाव बढेगा। कुछ लोगों को जितना भी काम मिलता जाता है, लालच अथवा दूसरों से होड़ा–होड़ में लेते जाते हैं। ज्यादा मेहनत करना अच्छी बात है लेकिन अपने हाथ में काम उतना हीं लें जितना आप बिना किसी तनाव में आये समय पर पूरा कर सकें। अपनी क्षमता से ज्यादा काम लेने से आप काम करते वक्त तनाव में रहेंगे, जिससे आपके साथ साथ आपके घरवाले भी तनाव में रहेंगे जिसका बुरा प्रभाव सब पर पड़ेगा और आपके काम कि क्वालिटी भी ख़राब होगी जिसके चलते आपको अलग से तनाव झेलना होगा।

सिर्फ काम न करें अपना मन भी बहलायें

आज के ज़माने में घर की जरूरतें पूरी करने के लिए कई लोगों को ज्यादा से ज्यादा काम करने की जरुरत होती है। लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि आप हर वक़्त सिर्फ काम हीं करते रहें। सिर्फ काम करते रहने से आपकी स्फूर्ति कम होती जाएगी और आप पर तनाव हावी होता जायेगा। इसलिए आप चाहे जितना भी काम करें, कुछ समय के लिए मन बहलाने वाली चीजों में भी मन लगायें। इससे आप तनाव से बचे रहेंगे साथ ही साथ आपकी कार्य क्षमता भी बढ़ेगी। म्यूजिक सुनें, फ़िल्म देखें, कोई खेल खेलें, दोस्तों या परिवार के साथ या किसी खास दोस्त के साथ गप्पे लड़ाएं या घूमने जायें या किसी अन्य गतिविधि में लिप्त हों जिसमें आपका मन लगता हो।

व्यायाम, योग या मेडीटेशन करें

नियमित रूप से योग, व्यायाम या मेडीटेशन करते रहने से आप तनाव से बचे रहेंगे। स्ट्रेस से बचना है तो आपको पर्याप्त नींद लेनी होगी। अपर्याप्त नींद तनाव के साथ साथ ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर बढ़ाती है एवं कई रोगों को भी जन्म देती है। पानी पीने से तनाव बहुत कम होता है। अतः जब भी आप तनाव में हों, पानी पीयें। भरपूर पानी पीते रहने से तनाव आपसे दूर ही रहता है।

प्रार्थना से दूर होता है तनाव

तनाव से निपटने के लिए आप क्या–क्या नहीं करते। व्यायाम से लेकर डॉक्टरी सलाह तक। लेकिन, इन सबके अलावा भी एक अन्य उपाय है। जो आसान होने के साथ–साथ बेहद कारगर भी है और वो है प्रार्थना।

एक नए शोध के मुताबिक प्रार्थना मन के साथ–साथ शरीर को भी स्वस्थ रखती है। साथ ही इससे उम्र में भी इजाफा होता है। यही नहीं प्रार्थना करने से ब्लड प्रेशर भी नियंत्रित रहता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में हुए इस शोध में पाया गया कि धार्मिक प्रवृत्ति के लोगों में कई तरह की बीमारियां होने की आशंका कम होती है।

शेष पृष्ठ 28 पर...

पर्यटन स्थल

चाँद बावड़ी

-स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

चाँद बावड़ी के प्रमुख आकर्षण

1. यह बावड़ी चारों तरफ़ से 35 मीटर चौड़ी है।
2. ऊपर से नीचे तक पक्की बनी सीढ़ियों के कारण पानी का स्तर चाहे जो भी हो हमेशा आसानी से पानी भरा जा सकता है।
3. चाँद बावड़ी, 100 फ़ीट गहरी, 13 मंजिला और 3500 सीढ़ियों युक्त है।
4. यह बावड़ी प्रसिद्ध 'हर्षत माता मन्दिर' के सामने स्थित है।
5. यह विश्व की सबसे गहरी और बड़ी बावड़ी है।

चाँद बावड़ी जयपुर के निकट दौसा ज़िले के आभानेरी नामक ग्राम में स्थित एक सीढ़ीदार कुआँ है। यह सीढ़ीदार कुआँ 'हर्षत माता मंदिर' के सामने स्थित है और भारत ही नहीं, अपितु विश्व के सबसे बड़े सीढ़ीदार और गहरे कुओं में से एक है।

इतिहास

इस बावड़ी का निर्माण 9वीं शताब्दी में किया गया था। इसमें 3,500 संकरी सीढ़ियाँ हैं और ये 13 तल ऊँचा और 100 फुट या 30 मीटर गहरा है। ये अविश्वसनीय कुआँ उस समय जल की कमी से जूझ रहे इस क्षेत्र की जल समस्या का एक व्यावहारिक समाधान था। इस स्थान की शुष्क जलवायु ने स्थानीय लोगों को एक ऐसे कुएं की खुदाई के लिए विवश किया, जिस पर वर्ष भर जल के लिए निर्भर रहा जा सके। दंतकथाओं के अनुसार यह कुआँ एक रात में भूतों द्वारा खोदा गया और इसमें इतनी सीढ़ियाँ हैं की यदि एक सिक्का नीचे गिर जाये तो उसे खोज पाना संभव नहीं है।

आभानेरी

आभानेरी गाँव, जयपुर–आगरा मार्ग पर स्थित एक छोटा क़स्बा है। यह जगह रोमांचक बावड़ियों और हर्षत माता मन्दिर के लिये प्रसिद्ध है। आभानेरी का शुरुआती नाम था 'आभा नगरी', अर्थात 'चमकने वाला शहर'; लेकिन कालान्तर में भाषा के अपभ्रंश की वजह से इसका नाम धीरे–धीरे आभानेरी बन गया। ऐसी मान्यता है कि आभानेरी को राजा चाँद ने बसाया था, हालांकि इस शहर ने प्राचीन काल में कई विभीषिकाएं झेलीं, लेकिन चाँद बावड़ी और माता के मन्दिर की वजह से अब यह राजस्थान आने वाले पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बन गया है। प्राचीन काल में वास्तुविदों और नागरिकों द्वारा जल संरक्षण और वाटर हार्वेस्टिंग हेतु बनाई गई इस प्रकार की कई बावड़ियाँ इस क्षेत्र में मौजूद हैं, जिनमें काफ़ी पानी समाया रहता है जो क्षेत्र के निवासियों के वार्षिक उपयोग हेतु काम आता है। चाँद बावड़ी इन सभी बावड़ियों में सबसे बड़ी और लोकप्रिय है।

बेजोड़ नक़्क़ाशी

दौसा ज़िले के आभानेरी में चाँद बावड़ी और हर्षत माता का मंदिर पत्थरों पर नक़्क़ाशी का एक बेजोड़ नमूना भी है। 'हर्षत माता मंदिर' का निर्माण चौहान वंशीय राजा चांद ने क़रीब 8वीं तथा 9वीं शताब्दी में कराया था। इस मंदिर के पत्थरों पर आकर्षक नक़्क़ाशी में लगभग 33 करोड़ देवी–देवताओं के चित्र बनाए गए थे। विदेशी आक्रमण के हमले में खंडित इस मंदिर के भग्नावशेष यत्र–तत्र बिखरे पड़े है। चांद बावड़ी और हर्षत माता मंदिर यहां का मुख्य आकर्षण हैं।

चाँद बावड़ी के अंदर बनी आकर्षक सीढ़ियाँ कलात्मक और पुरातत्व कला का शानदार उदाहरण है। गुप्त काल के पश्चात तथा मध्य काल के आरंभिक स्मारकों के लिए प्रसिद्ध आभानेरी पुरातात्विक महत्व का प्राचीन ग्राम है। मंदिर के पुजारी के अनुसार मंदिर में छह फुट की नीलम के पत्थर की हर्षत माता की मूर्ति 1968 में चोरी हो गई। किंवदंती है कि

हर्षत माता गांव में आने वाले संकट के बारे में पहले ही चेतावनी दे देती थी, जिससे गांव वाले सतर्क हो जाते और माता उनकी हमेशा रक्षा करती थी। इसे समृद्धि की देवी भी कहा जाता है।

महमूद द्वारा आक्रमण

बताया जाता है कि 1021–26 के काल में महमूद ग़ज़नवी ने इस मंदिर को तोड़ दिया था तथा सभी मूर्तियों को खंडित कर दिया था। खंडित मूर्तियां आज भी मंदिर परिसर तथा चाँद बावड़ी में सुरक्षित रखी हुई हैं। जयपुर के राजा ने 18वीं शताब्दी में इसका जीर्णोद्धार करवाया था।

सीढ़ियाँ

इसी तरह चांद बावड़ी का निर्माण भी राजा चांद ने 8 या 9वीं शताब्दी में कराया था। इसे 'अंधेरे उजाले की बावड़ी' भी कहा जाता है। चांदनी रात में यह बावड़ी एकदम सफ़ेद दिखायी देती है। तीन मंजिली इस बावड़ी में राजा के लिए नृत्य कक्ष तथा गुप्त सुरंग बनी हुई है। इसके ऊपरी भाग में निर्मित परवर्ती कालीन मंडप इस बावड़ी के लंबे समय तक उपयोग में रहने का प्रमाण देती है। बावड़ी की तह तक पहुंचने के लिए क़रीब 1300 सीढ़ियाँ बनाई गई हैं, जो अद्भुत कला का उदाहरण पेश करती हैं। यह वर्गाकार बावड़ी चारों ओर स्तंभ युक्त बरामदों से घिरी हुई है। यह 19.8 फुट गहरी है, जिसमें नीचे तक जाने के लिए 13 सोपान बने हुए हैं। भुलभुलैया के रूप में बनी इसकी सीढ़ियों के बारे में कहा जाता है कि कोई व्यक्ति जिस सीढ़ी से नीचे उतरता है, वह वापस कभी उसी सीढ़ी से ऊपर नहीं आ पाता।

सुरंग

बावड़ी की सबसे निचली मंजिल पर बने दो ताखों में स्थित गणेश एवं महिसासुर मर्दिनी की भव्य प्रतिमाएं इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा देती हैं। इस बावड़ी में एक सुरंग भी है, जिसकी लम्बाई लगभग 17 कि.मी. है, जो पास ही स्थित गांव भांडारेज में निकलती है। कहा जाता है कि युद्ध के समय राजा एवं उनके सैनिकों द्वारा इस सुरंग का इस्तेमाल किया जाता था। कुछ वर्षों पहले इसकी खुदाई एवं जीर्णोद्धार का कार्य कराया गया था। उसमें राजा चांद का उल्लेख किया हुआ एक शिलालेख भी मिला था।

आभानेरी महोत्सव

आभानेरी के महत्व को बढ़ाने के लिए 'भारतीय पुरातत्व विभाग' विदेशी पर्यटकों को यहाँ लाने के लिए अपने प्रयास कर रहा है। विभाग की ओर से यहाँ हर वर्ष 'आभानेरी महोत्सव' के नाम से तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसमें राजस्थान सहित देशभर के कलाकार यहाँ अपनी कला की प्रस्तुति देते हैं। यही नहीं विभाग की ओर से पर्यटकों के लिए यहाँ विदेशी दूब युक्त पार्क भी बनाया गया है। इसकी उचित देखभाल तथा रखरखाव के लिए यहाँ विभाग ने अपने कर्मचारी भी तैनात कर रखे हैं।

हॉलीवुड व बॉलीवुड से संबंध

विदेशी पर्यटकों के साथ–साथ आभानेरी अंग्रेज़ी फ़िल्मों तथा हिन्दी फ़िल्मों में भी छाई हुई है। अंग्रेज़ी फ़िल्म 'दी फ़ॉल' व प्रसिद्ध हिन्दी फ़िल्म 'भूल भूलैया' सहित अन्य कई फ़िल्मों की शूटिंग आभानेरी में हो चुकी है। चाँद बावड़ी की सीढ़ियों पर कई कलाकार भी थिरक चुके हैं।

पृष्ठ 26 का शेष

तनाव : बचाव में ही उपचार

जीवनशैली पर पूजा का प्रभाव

नियमित रुप से पूजा और प्रार्थना करने से मन में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। और प्रार्थना करने वाला व्यक्ति भीतर से अच्छा और बेहतर महसूस करता है। इससे जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलता है। आजकल अनियमित जीवन शैली कई रोगों की मुख्य वजह है। जब आप पूजा व प्रार्थना को अपने जीवन में एक आदत के तौर पर शामिल करते हैं तो निश्चित ही आप अपने अंदर अच्छा बदलाव महसूस करेंगे।

विशेषज्ञों की मानें तो पूजा और संगीत व्यक्ति में बढ़ रहे दबाव का स्तर कम करते हैं। इसका मतलब है ये गतिविधियां जीवन में संतुलन बनाये रखती हैं। प्रार्थना का सकारात्मक प्रभाव देखने के लिये जरूरी है कि उसे दिल से किया जाए। नियमित योग करने वाले लोग जो हमेशा फिट रहते हैं वह भी एक किस्म की पूजा प्रार्थना ही कर रहे होते हैं।

नोएटिक थैरेपी अपनाएं

नोएटिक (मंत्र, संगीत, स्पर्श और प्रार्थना) थैरेपी वह थैरेपी होती है जिसमें बिना दवाई, उपकरण और सर्जरी के इलाज किया जाता है। कई मरीजों पर नोएटिक थैरेपी का इस्तेमाल करने से पाया गया है कि वह, जो सिर्फ दवाई लेते हैं, उनके मुकाबले इनके 30 प्रतिशत ज्यादा सही होने की संभावना होती है साथ ही इन लोगों में एक आश्वासन इस बात का भी होता है कि ये मरीज लंबे समय तक बीमार नहीं पड़ते।

प्रार्थना के अन्य लाभ

- ✓ प्रार्थना करने से मन स्थिर और शांत रहता है। क्रोध पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है।
- ✓ इससे स्मरण शक्ति और चेहरे की चमक बढ़ती है।
- ✓ प्रार्थना से मन में सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है, जिससे मन निरोगी बनता है।
- ✓ शोध में पाया गया है नियमित तौर पर ईश्वर का ध्यान करने और प्रार्थना करने से रक्त संचार दुरुस्त रहता है।
- ✓ सामूहिक तौर पर प्रार्थना करने से व्यक्ति के मन में एकता का भाव बढ़ता है और अकेलापन दूर होता है।
- ✓ धार्मिक स्थल तक पैदल चल कर जाने से व्यायाम भी हो जाता है।
- ✓ प्रतिदिन प्रार्थना करने से व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है, जिससे एकाग्रता आती है।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'अवलोकक' दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

अवलोकक
OBSERVER

सामान्य रूप से समय, परिस्थिति, घटना, काल आदि के परिप्रेक्ष्य में हमारे नजरिये के अनुसार हमारी अवलोकन क्षमता प्रभावित होती है। अवलोकन के दृष्टिकोण से हमारे विचार प्रभावित होते हैं। यदि हमारी अवलोकन क्षमता परिपक्व नहीं है तो हम किसी भी घटना के सही रूप को जानने में सफल नहीं होंगे। इसी को दृष्टिगत रखते हुए बच्चों में अवलोकन क्षमता विकसित करने की दृष्टि से अवलोकक दक्षता पदक का अपना महत्व है।

– दृष्टि और अवलोकन के लिए काक का उदाहरण दिया जाता है।

– पाँच भारतीय पशु या पक्षियों का चयन कर उनके नाम आदतों के बारे में जानकारी करें।

– दस फूलों या वृक्षों या झाड़ियों के नाम जाने और पहचानें।

– स्थानीय बाजार में मौसमी फल व सब्जियों के बारे में जाने और मुख्य फसल कब काटी जाती है, जानें।

– प्राकृतिक चिन्हों, कम्पास, दिशाओं, खोज के संकेतों से परीक्षक द्वारा बताये अज्ञात स्थान पर जो 300 मीटर से अधिक की दूरी न हो, भ्रमण किया जाये।

– स्मरण शक्ति के खेल को खेल सकें, इसमें 16 में से 12 वस्तु को बता सके अर्थात ''किम गेम''।

पदक प्राप्ति के लिए क्या करें :-

– पशुओं में बंदर, खरगोश, गीदड़, लोमड़ी, बिल्ली, भेड़िया, चीता, शेर, नील गाय आदि के पैरों के निशान, रंग, रूप, खाने की वस्तुएं, चाल आदि के बारे में विस्तृत जानकारी अवलोकन करके की जा सकती है।

– ऐसे ही पक्षियों में तोता, बुलबुल, मैना, कबूतर, कौआ, नीलकण्ठ, कठफोड़ा आदि की बोली, रंग, रूप, खाने की वस्तुएं आदि के बारे में जानकारी की जा सकती है।

– जहरीले पौधों के बारे में जानकारी हासिल करना, कुछ पौधों के बीज, किसी का दूध जहरीला हो सकता है जैसे धतुरे का बीज, कनैर और कटहरी की जड़ें, कुचिला के फल, अफीम और आक का दूध जहरीला होता है। इसी तरह मैदान में कुकुरमुत्ता।

जहरीली वनस्पतियों में दुर्गन्ध होती है, खाई जाने वाली में नहीं। जहरीली वनस्पतियों का स्वाद कड़वा होता है, खाने वाली वनस्पतियों का नहीं।

ऐसे ही बाजार में मौसमानुसार व्याप्त सब्जियों का नाम नोट बुक में लिखवाकर तारीख डालें ताकि मौसम भी प्रमाणित हो सके।

भारत में मुख्य फसलें दो होती है – रबी और खरीफ।

रबी जाड़ों में बोई और गर्मियों में काटी जाती है। इसमें गेंहु, चना आदि मुख्य है। जबकि खरीफ की फसल बरसात में बोकर जाड़ों में काटी जाती है। इसमें मक्का, ज्वार, बाजरा, उड़द, मूंग मुख्य है। तीसरी फसल बरसात से पहले ही ले ली जाती है। इसमें ककड़ी, खरबूजा, तरबूज आदि है।

– किसी गेम द्वारा भी अवलोकन क्षमता को मापा जाता है। इसका निर्धारण 16 वस्तुओं को रख कर किया जा सकता है। इसमें से कम से कम 12 के बारे में बताना होगा, इसके लिए वस्तुओं को एक चादर से ढक दिया जाता है, एक मिनट अवलोकन के लिए चादर को हटा दिया जाता है। तत्पश्चात् पूछा जाने पर कम से कम 12 को याद रखना होता है तभी बैज की इस जाँच को पूर्णता मिलती है। इसमें अधिक के बारे में बताने पर उत्कृष्टता प्रमाण मिलता है।

गतिविधि पञ्चांग

राज्य पञ्चांग

PROPOSED

नाम शिविर/गतिविधि	स्थान	तिथियां
रीजनल लेवल बाल महोत्सव (कब/बुलबुल)	बीकानेर	01 से 05.11.2024
भारत स्काउट/गाइड स्थापना दिवस	ग्रुप/स्था. संघ स्तर/सभी स्तर	07.11.2024
स्काउटर/गाइडर बेसिक कोर्स	जिला स्तर	08 से 14.11.2024
स्काउटर/गाइडर एंडवास कोर्स	मण्डल स्तर	08 से 14.11.2024
पुष्कर मेला सेवा शिविर	पुष्कर, अजमेर	11 से 15.11.2024 तक
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न.1	21 से 25.11.2024 तक
हिमालय वुड बैज कोर्स (स्काउट विंग)	कोटा	23 से 29.11.2024
हिमालय वुड बैज कोर्स (गाइड विंग)	जोधपुर	23 से 29.11.2024
कोलायत मेला सेवा शिविर	कोलायत, बीकानेर	25 से 27.11.2024 तक
द्वितीय/तृतीय सोपान स्काउट/गाइड जाँच शिविर	स्थानीय संघ स्तर पर	30.11.2024 तक
ग्रामीण रोवर/रेंजर निपुण प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	30.11.2024 तक
निःशक्तजन स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	मण्डल स्तर पर	30.11.2024 तक
अनाथालय स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	मण्डल स्तर पर	30.11.2024 तक
अनुसूचित जाति स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	30.11.2024 तक
राज्य स्तरीय डेज़र्ट ट्रेकिंग शिविर	जैसलमेर	17 से 21.12.2024
राज्य स्तरीय 64वां रोवर मूट एवं 50वीं रेंजर मीट	पुष्करघाटी, अजमेर	26 से 30.12.2024

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
8th North-East Mini Jamboree	17 - 21 November 2024	Aizawl, Mizoram
26th International Adventure Programme	02 - 08 February 2025	NTC, Pachmarhi

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
International Rover Week, Winter 2025	28 Dec. 2024 - 04 Jan. 2025	Kandersteg, Switzerland
26th Australian Jamboree (AJ2025)	06 - 15 January 2025	Maryborough in Queensland
16th World Scout Moot 2025	25 July - 03 August, 2025	Lisboa, Portugal
28th Asia-Pacific Regional Scout Conference	12 - 17 October, 2025	Kaohsiung, Taiwan

National Headquarters website : www.bsgindia.org

चित्र-विथिका

राज्य मुख्यायुक्त राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों से जानकारी लेते हुए

झुंझुनू में मतदाता जागरूकता रैली को हरी झण्डी दिखा रवाना करते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री कैलाश शर्मा

राज्य पुरस्कार जांच शिविर : श्रीगंगानगर

राज्य पुरस्कार जांच शिविर : बनीपार्क, जयपुर

राज्य पुरस्कार जांच शिविर : रिडमलसर, बीकानेर

जयपुर के राउप्रावि शुभ रामपुरा में स्काउट गाइड कंपनी द्वारा व्यसन मुक्ति रैली

चूरू में आयोजित बेसिक कोर्स के संभागीगण

आबूपर्वत पर आयोजित बेसिक कोर्स के संभागीगण

राज्य पुरस्कार जांच शिविर : पुष्करघाटी, अजमेर

राज्य पुरस्कार जांच शिविर : झुन्झुनू

सांसद सिरोही–जालौर श्री लुंबाराम चौधरी से भेंट करता सिरोही का शिष्ट मण्डल

राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य खूड़ी बड़ी, लक्ष्मणगढ़, सीकर स्थित राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों से अध्ययन एवं विद्यालय की भौतिक सुविधाओं, खेलकूद, भोजन, आवास आदि नि:शुल्क व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर फोन नं. 0141–2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे–97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर–302004 फोन : 0141–2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह

प्रकाशन – प्रत्येक माह

पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत

आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835

प्रेषक :–

राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर–302015

फोन : 0141–2706830, 2941098

ई–मेल : scoutguidejyoti@gmail.com